दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, रविवार 03 दिसंबर 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

एमपी के मन में मोदी...
लाडली के मन में शिव...

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में खिला कमल, तेलंगाना में कांग्रेस

सांध्यप्रकाश संवाददाता

भोपाल। आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जादू चल ही गया। तीन राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान भाजपा अच्छी जीत की ओर बढ़ रही है, तो तेलंगाना में कांग्रेस बीआरएस से सत्ता छीनती नजर आ रही है। मिजोरम में मतगणना कल होगी। मध्यप्रदेश की जनता ने एक बार फिर मोदी की गारंटियों पर भरोसा किया है, वहीं लाडली बहनों ने शिवराज को अपना प्यार दिया। कांग्रेस ने भले ही स्थानीय मुद्दों को प्राथमिकता दी, परंतु उसे जनता ने एक बार फिर सत्ता से दूर ही करती दिख रही है। दोपहर तक काफी कुछ स्थितियां साफ होती दिख रही हैं और कांग्रेस की वापसी मुश्किल लग रही है।

मध्यप्रदेशः कालापीपल से पहला नतीजा, कांग्रेस विधायक कुणाल चौधरी हारे

शिवराज, कमलनाथ, प्रहलाद पटेल, केंद्रीय मंत्री तोमर कैलाश विजयवर्गीय, गोपाल भार्गव जीत की ओर, मंत्री नरोत्तम मिश्रा, गोविंद राजपूत, जीतू पटवारी पिछड़े

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा की 230 सीटों के लिए आज सुबह 8 बजे से काउंटिंग चल रही है। भाजपा 162 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है, जबकि कांग्रेस 65 सीटों पर आगे चल रही है। अन्य तीन सीटों पर आगे चल रहे हैं। 41 सीटों पर बढ़त का अंतर 1 हजार से भी कम है। प्रदेश का पहला नतीजा शाजापुर जिले की कालापीपल से चौंकाने वाला रहा। यहां भाजपा प्रत्याशी घनश्याम चंद्रवंशी ने कांग्रेस के मजबूत कैंडिडेट विधायक कुणाल चौधरी को 11941 वोट से हरा दिया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, मंत्री गोपाल भार्गव, कैलाश विजयवर्गीय बहुत बड़े अंतर से आगे चल रहे हैं, वहीं केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल, सांसद राकेश सिंह, गणेश सिंह, राव उदय प्रताप विरोधियों पर बढ़त बनाए हुए हैं। बहुमत के लिए 116 सीट चाहिए। महाकौशल को छोड़ सभी संभागों में कांग्रेस पीछे है। महाकौशल की 38 में से 21 सीटों पर कांग्रेस आगे है।

मुरैना की दिमनी से भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर 8वें राउंड की काउंटिंग पूरी होने के बाद पिछड़ गए हैं। यहां से बसपा ने लीड ले ली है। सुरखी से प्रत्याशी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत भी पीछे चल रहे हैं। सिंगरौली से आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी महापौर रानी अग्रवाल चौथे नंबर पर चल रही हैं। पथरिया से बसपा प्रत्याशी रामबाई तीसरे नंबर पर हैं।

भाजपा

- बुधनी (सीहोर) से सीएम शिवराज सिंह चौहान, इंदौर-1 से कैलाश विजयवर्गीय , दिमनी (मुरैना) से केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर आगे।
- दतिया से गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, उज्जैन दक्षिण से मंत्री मोहन यादव, निवास (मंडला) से केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते पीछे।
- बड़वानी से मंत्री प्रेम सिंह पटेल, सुरखी (सागर) से मंत्री गोविंद राजपूत, देवतालाब (रीवा) से स्पीकर गिरीश गौतम, बमोरी (गुना) से महेंद्र सिंह सिसोदिया पीछे।
- सुवासरा (मंदसौर) से मंत्री हरदीप सिंह डंग, बुरहानपुर से पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस आगे।
- गाडरवारा (नरसिंहपुर) से सांसद उदय प्रताप सिंह, मल्हारगढ़ (मंदसौर) से मंत्री जगदीश देवड़ा, नरसिंहपुर से प्रहलाद पटेल आगे।
- सांची से मंत्री प्रभुराम चौधरी आगे। मुंगावली (अशोकनगर) से मंत्री बृजेंद्र सिंह यादव पीछे।
- कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए विधायक सचिन बिरला को बड़वाह में बढ़त। दमोह से जयंत मलैया आगे।

कांग्रेस-

- छिंदवाड़ा से कमलनाथ आगे। लहार (भिंड) से नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह पीछे।
- राघौगढ़ (गुना) में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के पुत्र जयवर्धन सिंह पीछे हो गए हैं।
- पिछला चुनाव हारे कांग्रेस के अजय सिंह राहुल भैया को चुरहट (सीधी) में बढ़त।
- राऊ (इंदौर) से जीतू पटवारी, गोटेगांव (नरसिंहपुर) से पूर्व स्पीकर एनपी प्रजापति पीछे।
- राजपुर (बड़वानी) से पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन, महेश्वर (खरगोन) से पूर्व मंत्री विजयलक्ष्मी साधौ पीछे।
- खातेगांव (देवास) से दीपक जोशी, कसरावद (खरगोन) से सचिन यादव, गंधवानी (धार) से उमंग सिंगार, चांचौड़ा (गुना) से लक्ष्मण सिंह पीछे।

राजस्थान में रिवाज कायम, भाजपा को बहुमत, रुझान में 110 सीट पर आगे, कांग्रेस को 73 पर बढ़त

जयपुर। राजस्थान में एक बार फिर हर पांच साल में सरकार बदलने का ट्रेंड जारी रहने की संभावना दिख रही है। विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुमत की ओर जाती दिख रही है। फिलहाल भाजपा 110 और कांग्रेस 73 सीटों पर आगे है, वहीं 16 सीटों पर अन्य उम्मीदवार आगे हैं। पहला नतीजा भाजपा की झोली में गया है। दूदू से भाजपा प्रत्याशी प्रेमचंद बैरवा ने कांग्रेस के

बाबूलाल नागर को हरा दिया है। आधिकारिक घोषणा बाकी है। इधर, काउंटिंग के दौरान प्रत्याशियों और समर्थकों के बीच कुछ विवाद भी हुआ है। बहरोड़ विधायक और निर्दलीय प्रत्याशी बलजीत यादव के साथ मारपीट की गई। काउंटिंग के बाद जब वे बाहर निकले तो मैदान में उन्हें लोगों ने घेर लिया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी पीछे चल रहे हैं। शुरू में पिछड़ने के बाद सचिन पायलट और गोविंद सिंह डोटासरा ने बढ़त बना ली है। बाड़मेर जिले की शिव विधानसभा सीट पर भाजपा और कांग्रेस को निर्दलीयों ने बहुत पीछे कर दिया है। यहां कांग्रेस तीसरे और भाजपा पांचवे नंबर पर है। सरदारपुरा सीट से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आगे चल रहे हैं। वहीं विद्याधर नगर सीट से दीया कुमारी आगे चल रही हैं। राजस्थान में 199 विधानसभा सीटों के लिए 25 नवंबर को मतदान हुआ था। श्रीकरणपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी गुरमीत कुन्नर के निधन के कारण वहां चुनाव नहीं हुए हैं।

इन सीटों के नतीजे आए

बहरोड़ से भाजपा प्रत्याशी जसवंत सिंह यादव जीत गए हैं। उन्हें 69,143 वोट मिले, उनकी जीत का मार्जिन 16,815 रहा। वहीं निर्दलीय बलजीत यादव को 52,328 वोट मिले। कांग्रेस प्रत्याशी संजय यादव 45,601 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

दूदू में बीजेपी प्रत्याशी प्रेमचंद बैरवा जीते। हालांकि आधिकारिक घोषणा बाकी है। 18 राउंड के बाद 32,873 की लीड बैरवा के पास है। अब केवल 13 हजार वोटों की गिनती शेष है, ये वोट भी नागर को मिलेंगे तो वे जीत नहीं पाएंगे।

पिंडवाड़ा (सिरोही) सीट से भाजपा के समाराम गरासिया जीत गए हैं। भाजपा के समाराम को 70 हजार 83 वोट मिले, वहीं कांग्रेस कके 56 हजार 917 वोट हासिल हुए। समाराम गरासिया 13 हजार 166 वोट से जीते।

इन सीटों के नतीजे आए

बहरोड़ से भाजपा प्रत्याशी जसवंत सिंह यादव जीत गए हैं। उन्हें 69,143 वोट मिले, उनकी जीत का मार्जिन 16,815 रहा। वहीं निर्दलीय बलजीत यादव को 52,328 वोट मिले। कांग्रेस प्रत्याशी संजय यादव 45,601 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। दूदू में बीजेपी प्रत्याशी प्रेमचंद बैरवा जीते।

जीते-प्रत्याशी

तेलंगाना में कांग्रेस बहुमत के पार, 65 सीटों पर बढ़त

सत्तारूढ़ [illegible] 41 और भाजपा 8 सीटों पर आगे, सीएम अपनी सीट से पिछड़े

हैदराबाद। तेलंगाना के 119 विधानसभा सीटों की गिनती शुरू हो गई है। शुरुआती रूझानों में कांग्रेस 65, सत्ताधारी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) 41, भाजपा 8 और अन्य 5 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव को कामारेड्डी सीट से कांग्रेस प्रदेश

अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने पछाड़ दिया है। रेड्डी करीब 1700 वोट से बढ़त बनाए हुए हैं।

हालांकि के चंद्रशेखर राव अपनी परंपरागत सीट गजवेल से आगे चल रहे हैं। हैदराबाद के जुबली हिल्स से कांग्रेस कैंडिडेट और पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरूद्दीन पीछे चल रहे हैं। गोसमहल से भाजपा के हिन्दू चेहरे टी राजा सिंह 4 हजार वोटों से आगे चल रहे हैं। एएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी के भाई अकबरूद्दीन ओवैसी चंद्रयानगुट्टा सीट से आगे चल रहे हैं।

इधर, हैदराबाद में होटल ताज कृष्णा के बाहर तीन लग्जरी बसें खड़ी हैं। सूत्रों के मुताबिक, ये बसें कांग्रेस की हो सकती हैं। कांग्रेस पार्टी ने यहां सभी विधायकों को जीतने के बाद बुलाया है। पार्टी ने हॉर्स ट्रेडिंग के डर से विधायकों की बाड़ाबंदी की तैयारी में है। विधायकों को बेंगलुरु भेजा जा सकता है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा बहुमत के पार, 54 सीटों पर आगे

15 सीटें, जहां भाजपा-कांग्रेस में अंतर 1000 वोटों से कम, सिंहदेव सहित 7 मंत्री पीछे

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सारे एग्जिट पोल और अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए भाजपा बहुमत की ओर बढ़ रही है। फिलहाल रुझानों में भाजपा 54 सीटों और कांग्रेस 35 सीटों पर आगे है। हालांकि प्रदेश की ऐसी 15 सीटें हैं, जहां भाजपा-कांग्रेस के बीच बढ़त का अंतर 1000 वोट से भी कम है। वहीं डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, विधानसभा अध्यक्ष चरण दास महंत सहित 7 मंत्री पीछे चल रहे हैं।

आंकड़ों की बात करें तो राजिम व नवागढ़ में भाजपा, भिलाई में कांग्रेस आगे हैं। यहां 1000 वोट से कम का

अंतर है। इसके अलावा अंबिकापुर 366 वोट, कोंडागांव में 74, मुंगेली 928, धर्मजयगढ़ में 406 और कुरूद में भाजपा प्रत्याशी अजय चंद्राकर 208 वोट से आगे हैं। शुरुआती रुझान कांग्रेस की ओर थे, लेकिन फिर स्थिति बदलने लगी। पहले राउंड के बाद भाजपा और कांग्रेस में कांटे की टक्कर थी, लेकिन फिर सीएम सहित कई मंत्री एक-एक कर पीछे होते चले गए। हालांकि कुछ सीटों पर एक बार फिर बड़े नेताओं ने बढ़त बना ली है। रायपुर में भाजपा कार्यालय के बाहर जय श्री राम और मोदी-मोदी के नारे लगाए जा रहे हैं।

गुफा मंदिर और नुक्कड़ वाली माता मंदिर पर अक्षत कलश की विशेष पूजन

श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पीले चावल के साथ घर-घर दिया जा रहा निमंत्रण

संत हिरदाराम नगर। 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाली श्री राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम को लेकर घर-घर निमंत्रण दिया जा रहा है। लालघाटी स्थित गुफा मंदिर और संत नगर की नुक्कड़ वाली माता मंदिर पर जोर शोर से तैयारियां चल रही है। शनिवार को गुफा मंदिर पर पीले अक्षत कलशों में भरकर घर-घर निमंत्रण दिया गया तो वहीं संत नगर नुक्कड़ वाली माता मंदिर पर अक्षत कलश की विशेष पूजन की गई और मंदिर पर कलश विराजमान किया गया।

पंडित रवि पटेरिया ने बताया कि 22 जनवरी को प्रभु श्री राम गर्भ ग्रह में विराजित करके प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। उसी को लेकर पीले अक्षत का कलश नुक्कड़ वाली माता मंदिर पर विराजमान किया गया यह पीले अक्षत घर-घर, मोहल्ला, गांव में आमंत्रण करेंगे जिसकी अगवाई विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री भूपेंद्र सिंह गुर्जर ने की। पुजारी पंडित रवि पटेरिया ने वेद मंत्रो से कलश की पूजन करके घर-घर निमंत्रण पहुंचाने के लिए शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी को हर घर पर दीपक जलाने और लाईव प्रसारण देखने के साथ ही भजन कीर्तन करने की अपील भी की जाएगी। मंदिर पर 108 श्रीराम का जाप भी किया जाएगा।

ग्रीन नेट लगाये बगैर निर्माण कार्य कराने वाले भवन स्वामी पर स्पाट फाईन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगर निगम द्वारा शहर की स्वच्छता को बेहतर बनाने, पर्यावरण संरक्षण एवं वायु की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुसार बनाये रखने हेतु निरंतर कार्य किए जा रहे है साथ ही साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वाले एवं पर्यावरण व वायु को प्रदूषित करने वालों के विरूद्ध स्पॉट फाईन की कार्यवाही भी की जा रही है। इसी क्रम ने निगम अमले ने त्रिलंगा क्षेत्र में बिना ग्रीन नेट लगाये हुए भवन निर्माण कार्य कराने वाले भवन स्वामी के विरूद्ध स्पाट फाईन की कार्यवाही करते हुए 05 हजार रूपये की राशि वसूल की। निगम आयुक्त श्री फ्रैंक नोबल ए के निर्देश पर निगम अमले द्वारा गंदगी फैलाने वालों व पर्यावरण एवं वायु को प्रदूषित करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही सतत् रूप से की जा रही है। निगम के जोन क्र. 06 के गमले ने शनिवार को वार्ड क्र. 48 के अंतर्गत त्रिलंगा कालोनी में भवन क्र. ई-8/61 में बिना ग्रीन नेट लगाये निर्माण कार्य होता पाये जाने पर संबंधित भवन स्वामी श्री नाजिर अहमद से 05 हजार रूपये की राशि स्पाट फाईन के रूप में वसूल की। निगम अमले ने संबंधित भवन स्वामी को समझाइश भी दी कि वे भविष्य में ग्रीन नेट लगाकर ही निर्माण कार्य करें अन्यथा और अधिक कठोर कार्यवाही की जायेगी।

एमसीयू में नि:शुल्क नेत्र एवं दंत चिकित्सा शिविर आयोजित

भोपाल । माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में निशुल्क नेत्र एवं दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के धन्वंतरी चिकित्सालय में आयोजित यह निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं परीक्षण शिविर भोपाल के एएसजी नेत्र अस्पताल एवं तथास्तु दंत चिकित्सालय के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में विश्वविद्यालय के शिक्षक,अधिकारी, कर्मचारी विद्यार्थी एवं स्टाफ के परिजनों ने निशुल्क चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. जी. सुरेश ने कहा कि स्वास्थ्य सभी के लिये महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील विषय है। उन्होंने सभी को सलाह दी कि वे अपने शरीर का ख्याल रखें एवं स्वस्थ रहें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी कर्मियों को एक बड़ा परिवार मानने के कारण से हम अपने परिवार के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहते हैं। हमारा दायित्व है कि हम विश्वविद्यालय कर्मियों और हमारे विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की चिंता करें क्योंकि यदि शिक्षा संस्थान के कर्मी और विद्यार्थी स्वस्थ होंगे तो कार्य क्षमता अच्छी और शिक्षा उत्कृष्ट होगी। चिकित्सा शिविर के समापन पर शिविर के संयोजक दीपक चौकसे ने दोनों अस्पताल के चिकित्सकों एवं अधिकारियों का आधार व्यक्त किया। इस अवसर पर उत्कर्ष बरोलिया, डॉ स्वाति शाक्यवार, ऋषभ शर्मा,निदेशक प्रोडक्शन डॉ आशीष जोशी, डीन अकादमिक डॉ पी.शशिकला, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के अध्यक्ष डॉ संजीव गुप्ता, समेत कई शिक्षक अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री भोपाल एवं चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री ऑफ स्मोलेंस्क रीजन स्मोलेन्सकी रूस के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर

भोपाल। फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री और रूस के स्मोलेंस्क क्षेत्र के चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री ने 1 दिसम्बर 2023 को एक करार पर हस्ताक्षर किए। इस करार का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूत करना और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देना है। इसके अन्तर्गत व्यापार] निवेश] प्रौद्योगिकी विनिमय सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को सुविधाजनक बनाना है। दोनों चैंबर व्यापार के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेंगे और व्यापार प्रतिनिधि मंडलों, प्रदर्शनियों, व्यापार मेलों के माध्यम से निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने में सहयोग करेंगे।

यह एमओयू भारत के मध्यप्रदेश एवं रूस के स्मोलेंस्क क्षेत्र के बीच राजनयिक एवं आर्थिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. आर.एस.गोस्वामी और स्मोलेंस्क चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के अध्यक्ष आर्चीपेंकोव व्लादिमीर ने अपने संबंधित चैंबरों का प्रतिनिधित्व करते हुए संभावनाओं के बारे में आशा व्यक्त की कि यह एमओयू मध्यप्रदेश और स्मोलेंस्क क्षेत्र के व्यावसायों] उद्यमियों और नागरिकों के लिए नवीन द्वार खोलेगा।

वेदिका गौशाला में मना नंदा का जन्मदिन, गाय ने खाया केक

सीहोर। सिद्ध गणेश मंदिर के नजदीक शाहपुर कोरिया गांव में स्थित वेदिका गौशाला में आज नंदा गाय का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर संस्था के सदस्यों ने गौशाला को सजाकर बर्थडे मनाया। गौ भक्तों ने नंदा के लिए दाल चना गेहूं और गुड़ से बने केक को हरे घास से सजाया। इस अवसर पर चित्रांश ह्यूमन एंड वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों और गोसेवकों ने विधि विधान से गाय की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया।शहर की सड़कों पर घूम रही आवारा गाय के लिए वेदिका गौशाला में पालन पोषण के साथ मेडिकल की भी व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के डीन और एग्रीकल्चर साइंटिस्ट प्रोफेसर प्रभात कुमार श्रीवास्तव के अलावा मेडिटेशन एक्सपर्ट श्रीमती नीलम के साथ बड़ी संख्या में गौ सेवक मौजूद रहे। जन्मोत्सव कार्यक्रम के बाद समिति के सदस्यों ने ग्रामीणों का भोज भी किया।

जिला स्तरीय फेस पेटिंग प्रतियोगिता में छात्रा अनुश्री को मिला प्रथम पुरस्कार

संत हिरदाराम नगर। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में जिला भोपाल के समस्त महाविद्यालयों रेड रिबन क्लबों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं जागरूकता कार्यकम का वृहद आयोजन किया गया। इसमें आयोजित फेस पेटिंग प्रतियोगिता में संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय की छात्रा अनुश्री नामदेव ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। महाविद्याालय में आयोजित पोस्टर एंव स्लोगन प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। महाविद्याालय स्तर पर पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ऊषा मालवीय, द्वितीय स्थान मुस्कान खान एवं तुतीय स्थान प्रतीक्षा शुक्ला ने प्राप्त किया एवं स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान स्नेहा प्रजापति, द्वितीय स्थान फातिमा एवं तुतीय स्थान याशिका लालवानी ने प्राप्त किया। इस आयोजन में महाविद्यालय की रासेयो की कार्यक्रम अधिकारियों ने स्वंय सेविकाओं के साथ भाग लिया। कार्यक्रम स्थल पर विजेताओं द्वारा बनाए गए पोस्टर एंव स्लोगन प्रदर्शित किये गए एंव रैली व मानव श्रृंखला निर्माण के द्वारा कर एड्स के प्रति जागरूकता लाकर इसे वर्ष 2030 तक भारत से मिटाने का संकल्प दोहराया गया।

एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल्स ने भोपाल में लिवर पीड़ित मरीज के लिए विशेष ओपीडी शुरू किया

भोपाल। दिल्ली स्थित मशहूर एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल्स ने आज मेडिलिव लीवर, भोपाल के साथ मिलकर अपने विशेष लिवर ओपीडी की शुरुआत की। इस नए ओपीडी का उद्देश्य क्रोनिक लिवर रोगों से पीड़ित मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श के साथ विश्वस्तरय उपचार प्रदान करना है। लिवर रोग स्वास्थ्य एक गंभीर बीमारी है, और इसका समय पर निदान एवं इलाज न होने पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इलाज में विलंब करने से बीमारी बढ़कर गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए बीमारी के गंभीर बनने के खतरे को कम करने के लिए नियमित तौर से जाँच कराया जाना जरूरी है।

लिवर ओपीडी के बारे में बताते हुए डॉ. शैलेंद्र ललवानी, एचओडी और कंसल्टेंट - लिवर ट्रांसप्लांटेशन एवं हेपेटो-पैंक्रिअटिक बाईलरी सर्जरी, एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल्स, दिल्ली ने कहा, ''पिछले कुछ सालों में लिवर सम्बन्धी रोगों में काफी वृद्धि हुई है, जिनमें से कुछ जानलेवा भी रहे हैं। लिवर के रोग, जैसे लीवर सिरोसिस, फैटी लिवर रोग, हेपेटाईटिस, और लिवर ट्यूमर युवाओं में भी तेजी से बढ़ने लगे हैं। लिवर उपचार में प्रगति के साथ, लोगों के लिए यह जानना आवश्यक है कि लिवर सिरोसिस के उपचार के लिए लिवर प्रत्यारोपण की उच्च सफलता दर है। चिकित्सा प्रौद्योगिकी और चिकित्सा प्रक्रियाओं में प्रगति के साथ, लिवर प्रत्यारोपण एक जीवन रक्षक बन गया है जो अंतिम चरण के रोगों से पीड़ित लोगों के लिए जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार कर सकता है। एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल्स, दिल्ली पूरे देश के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और आधुनिक मेडिकल इलाज प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। भोपाल में यह स्पेशलाईज़्ड लिवर ओपीडी हॉस्पिटल की इस प्रतिबद्धता को पूरा करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। हैल्थकेयर में अग्रणी, मणिपाल हॉस्पिटल्स भारत में शीर्ष हैल्थकेयर प्रदाताओं में से एक है, जो हर साल 5 मिलियन से ज्यादा मरीजों का इलाज करता है। इसका उद्देश्य अपने मल्टीस्पेशियल्टी एवं टर्शियरी केयर डिलीवरी स्पेक्ट्रम द्वारा किफायती और हाई क्वालिटी हैल्थकेयर फ्रेमवर्क का विकास करना और आउट-ऑफ-हॉस्पिटल केयर तक इसका विस्तार करना है।

निगम आयुक्त ने एडीएम के साथ किया इज्तिमा स्थल का निरीक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त श्री फ्रैंक नोबल ए ने एडीएम श्री हरेन्द्र नारायण व निगम अधिकारियों के साथ ईटखेड़ी धासीपुरा में आयोजित होने वाले आलमी तब्लीगी इज्तिमा स्थल का निरीक्षण किया और इज्तिमा प्रबंधन समिति के सदस्यों से इज्तिमा आयोजन एवं व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त श्री नोबल ने इज्तिमा स्थल पर की जाने वाली सभी व्यवस्थाओं को समय से पूर्व बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने और आयोजन समाप्ति तक इन्हें निरंतर बनाये रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्तद्वय श्री विनीत तिवारी एवं श्री पवन सिंह, उपायुक्त श्री योगेन्द्र सिंह पटेल, अधीक्षण यंत्रीद्वय श्री उदित गर्ग व श्री संतोष गुप्ता सहित निगम के अन्य अधिकारी व इज्तिमा प्रबंधन समिति के श्री इकबाल हफीज सहित अन्य सदस्य आदि भी मौजूद थे। निगम आयुक्त श्री फ्रैंक नोबल ए ने एडीएम श्री हरेन्द्र नारायण व निगम अधिकारियों के साथ शनिवार को

ईटखेड़ी धासीपुरा में आगामी 08 दिसम्बर से 11 दिसम्बर 2023 तक आयोजित होने वाले आलमी तब्लीगी इज्तिमा स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान श्री नोबल ने इज्तिमा आयोजन समिति के श्री इकबाल हफीज खां सहित सदस्यों से तब्लीगी इज्तिमा व उसकी व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। चर्चा के दौरान श्री हफीज ने इज्तिमा के आयोजन में जिला प्रशासन एवं नगर निगम भोपाल द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाओं की सराहना की और निगम कर्मियों द्वारा सदैव मुस्तैदी के साथ किये जाने वाले कार्यों की भी मुक्त कंठ से प्रशंसा की। निगम आयुक्त श्री नोबल ने कहा कि निगम का हमेशा प्रयास रहता है कि शहर में जो भी आयोजन हों उनमें निगम अपने कार्यों को बेहतर से बेहतर ढंग से सुनिश्चित करे ताकि आयोजनों में सम्मिलित होने वालों को किसी प्रकार की कोई कठिनाई न हो। निगम आयुक्त ने इस दौरान संबंधित अधिकारियों से निगम द्वारा इज्तिमा आयोजन स्थल एवं पार्किंग स्थलों सहित आवागमन के मार्गों की व्यवस्थाओं एवं पूर्व में निर्देशित कार्यों की अद्यतन जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि निगम द्वारा इज्तिमा स्थल व अन्य स्थानों पर की जाने वाली व्यवस्थाओं/कार्यों को बेहतर से बेहतर ढंग से सुनिश्चित करें और इज्तिमा समाप्ति तक इन्हें निरंतर बनाये रखना भी सुनिश्चित करें।

निगम द्वारा साफसफाई, पेयजल व अन्य उपयोग हेतु पानी की व्यवस्था के साथ ही साफ सफाई, सीवेज क्लीनिंग, अस्थायी शौचालय, प्रकाश, फायर बिग्रेड आदि की व्यवस्था पूर्वानुसार की जा रही है। निगम आयुक्त ने उक्त सभी कार्य/व्यवस्थाएं निगम व अन्य विभागों तथा इज्तिमा प्रबंधन समिति के साथ बेहतर समन्वय के साथ सुनिश्चत की जाएं।

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 118/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | आर.एन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, रविवार 03 दिसंबर 2023 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

मध्य प्रदेश में कांग्रेस की 11 गारंटियों पर भारी पड़ी 'लाड़ली बहना'

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा बड़े बहुमत के साथ जीत की ओर बढ़ रही है। भाजपा की इस जीत में सबसे अहम शिवराज सरकार की लाड़ली बहना योजना को बताया जा रहा है। कांग्रेस ने इसके मुकाबले में अपने वचन पत्र में 11 गारंटियां दी थी, लेकिन %लाड़ली बहना% इन सब पर भारी पड़ी।

कांग्रेस लाई थी नारी सम्मान योजना की गारंटी

भाजपा की लाड़ली बहना योजना के मुकाबले में कांग्रेस मध्य प्रदेश चुनाव में नारी सम्मान योजना लाने की गारंटी दी थी, जिसमें महिलाओं को डेढ़ हजार रुपये देने की बात कही गई। इसके साथ ही पढ़ो-पढ़ाओ योजना वचन पत्र में लेकर आई, कांग्रेस यह योजना भाजपा की लाड़ली लक्ष्मी योजना को टक्कर में लाई थी।

यह है लाड़ली बहना योजना

मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार की लाड़ली बहना योजना में 21 वर्ष और उससे ऊपर की विवाहित महिलाओं को शामिल किया गया है, जिन्हें महीने 1250 रुपये दिए जा रहे हैं। सीएम शिवराज ने इसे बढ़ाकर 3 हजार रुपये करने की बात भी कही थी।

कांग्रेस ने दी थी ये 11 गारंटी

- नारी सम्मान योजना में महिलाओं को 1500 रुपये महीना
- कांगेस ने 500 रुपये में सिलिंडर देने का वादा किया
- 100 यूनिट बिजली फ्री और 200 यूनिट का बिजली बिल हाफ करने का वादा
- पिछ्ली बार की तरह किसानों को का कर्जा माफ करने की गारंटी
- सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना
- किसानों को सिंचाई लिए 5 हार्स पावर का बिजली बिल फ्री
- किसानों का बिजली बिल भी माफ करने का वादा
- मध्य प्रदेश में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा
- किसानों को सिंचाई के लिए 12 घंटे बिजली
- मध्य प्रदेश में जातिगत जनगणना कराने का वादा
- किसानों पर किए गए केस वापस किए जाएंगे

सात सीटों पर मतगणना जारी
भोपाल में कमल का वर्चस्व कायम भाजपा 5 और कांग्रेस 2 पर आगे

भोपाल। जिले की सात विधानसभा सीटों के लिए रविवार सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू हो गई। पहले डाक मतपत्रों की गिनती की गई। डाक मतपत्रों की गिनती के ठीक 30 मिनट बाद ईवीएम की पेटियां खोली गई। भाजपा प्रत्याशी पांच सीटों पर आगे चल रहे हैं। वहीं कांग्रेस उम्मीदवारों ने दो सीटों पर बढ़त बनाई है। गोविंदपुरा से भाजपा उम्मीदवार कृष्णा गौर, हुजूर से रामेश्वर शर्मा, दक्षिण-पश्चिम से भगवानदास सबनानी, नरेला से विश्वास सारंग और बैरसिया से विष्णु खत्री आगे चल रहे हैं। वहीं कांग्रेस की ओर से भोपाल मध्य से आरिफ मसूद भोपाल उत्तर आतिफ अकील आगे चल रहे थे।

विधानसभा	मुकाबला	रुझान
1- भोपाल उत्तर	आतिफ अकील (कांग्रेस)/ आलोक शर्मा (भाजपा)	आतिफ अकील 27086 जीते
2- भोपाल दक्षिण-पश्चिम	पीसी शर्मा (कांग्रेस)/ भगवानदास सबनानी (भाजपा)	भगवान दास सबनानी 9088 से आगे
3- नरेला	मनोज शुक्ला(कांग्रेस)/ विश्वास सारंग (भाजपा)	विश्वास सारंग 16886 से आगे
4- बैरसिया	जयश्री हरिकरण (कांग्रेस)/ विष्णु खत्री (भाजपा)	विष्णु खत्री 8080 से आगे
5- भोपाल मध्य	आरिफ मसूद (कांग्रेस)/ ध्रुवनारायण सिंह (भाजपा)	आरिफ मसूद 27900 से आगे
6- गोविंदपुरा	रवींद्र साहू (कांग्रेस)/कृष्णा गौर (भाजपा)	कृष्णा गौर 50584 से आगे
7- हुजूर	नरेश ज्ञानचंदानी (कांग्रेस)/ रामेश्वर शर्मा (भाजपा)	रामेश्वर शर्मा 60000 से आगे

गोविंदपुरा, हुजूर, दक्षिण-पश्चिम, बैरसिया और नरेला में भाजपा एवं मध्य और उत्तर में कांग्रेस बढ़त बनाए हुए हैं। मध्य क्षेत्र में सातवें राउंड तक कांग्रेस प्रत्याशी आरिफ मसूद 26204 से आगे चल रहे हैं।

उत्तर विधानसभा सीट पर दसवें राउंड की समाप्ति पर कांग्रेस के आतिफ अकील करीब 17000 मतों से आगे चल रहे है।

गोविंदपुरा में सातवें राउंड में विधानसभा क्षेत्र में कृष्णा गौर 46044 मतों से आगे चल रही है।

हुजूर में भाजपा प्रत्याशी रामेश्वर शर्मा 12 वें राउंड में 60 हजार से आगे चल रहे है।

10 वें राउंड में 40 हज़ार से आगे चल रहे है। नरेला में भाजपा के विश्वास सारंग करीब 6000 वोटों से आगे।

दक्षिण-पश्चिम में भगवानदास सबनानी 12 हजार वोटों से आगे है।

बैरसिया में चौथे राउंड के बाद भाजपा के विष्णु खत्री को बेरसिया विधानसभा क्षेत्र में विष्णु खत्री कांग्रेस की जयश्री हरिकरण 7972 मतों से आगे चल रहे है। जिले की सात विधानसभा क्षेत्र में इस बार विधायक कुर्सी के लिए 96 प्रत्याशियों ने अपनी किस्मत अजमाई हैं। जेल परिसर के आसपास चप्पे-चप्पे पर कड़ी सुरक्षा है। सुबह सात बजे से ही लोगों का मतगणना स्थल पहुंचना शुरू हो गया। बगैर पास के किसी को अंदर प्रवेश नहीं दिया गया। मतगणना स्थल पर प्रत्याशियों व एजेंट्स की कतार लगी है।

कलेक्टर पहुंचे मतगणना स्थल- कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह भी मतगणना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने मीडियाकर्मियों से चर्चा में कहा कि अभी डाक मतपत्रों की गिनती चल रही है। साढ़े आठ बजे ईवीएम की गिनती शुरू होगी। सुबह करीब 09 बजे पहले राउंड की गणना हो जाएगी, जिसके बारे में सभी को सूचित किया जाएगा। जैसे-जैसे चरणवार परिणाम आएंगे, उनके बारे में बताया जाएगा। चुनाव आयोग के निर्देश के मुताबिक कड़ी सुरक्षा में मतगणना चल रही है।

सख्त सुरक्षा में मतगणना स्थल पहुंचाए ईटीपीबीएस मतपत्र

इलेक्ट्रॉनिक रुप से प्रेषित डाक मतपत्र प्रणाली (ईटीपीबीएस) के तहत डलवाए गए मतों को शनिवार को शाम पांच बजे सख्त सुरक्षा के बीच मतगणना स्थल जिला जेल के स्ट्रांग रूम में रखवाया गया है। इन्हें कोषायल से परिवहन के द्वारा यहां तक लाया गया था। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रत्याशी एवं प्रतिनिधि भी मौजूद थे । ईटीपीबीएस मतपत्रों की संख्या लगभग 800 बताई जा रही है। इस बार कुल 13 हजार 900 करीब डाक मतपत्रों से मतदान कराया है। इनमें बुजुर्ग, दिव्यांग और शासकीय कर्मचारियों के मत शामिल हैं।

भोपाल के हुजूर विधानसभा क्षेत्र से रामेश्वर शर्मा आगे

हुजूर सीट पर पहले राउंड की मतगणना के बाद विधायक रामेश्वर शर्मा 60 हजार से अधिक मतों से आगे चल रहे हैं। उन्होंने लगभग 6500 की बढ़त के साथ खाता खोला। पहले राउंड की मतगणना में भाजपा को 11193 मत और कांग्रेस प्रत्याशी नरेश ज्ञानचंदानी को 4923 वोट मिले।

वहीं भोपाल मध्य क्षेत्र में पहले चरण की मतगणना के बाद कांग्रेस के आरिफ मसूद अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के ध्रुवनारायण सिंह से 350 वोटो से आगे चल रहे हैं।

मतगणना स्थल के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। भोपाल अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर आशीष सिंह भी मतगणना स्थल पर मौजूद हैं और वह अलग-अलग मतगणना स्थलों में जाकर निरीक्षण कर रहे हैं।

बता दें कि जिले की सात विधानसभा क्षेत्र के 20 लाख 87 हजार 32 मतदाताओं में से दो हजार 49 मतदान केंद्रों पर 13 लाख 91 हजार 260 मतदाताओं ने मतदान किया था।

3 दिसंबर को ग्वालियर, उज्जैन में बारिश के आसार

भोपाल। वर्तमान में अलग-अलग स्थानों पर पांच मौसम प्रणालियां बनी हुई हैं। इनके प्रभाव से बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से लगातार नमी आ रही है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार नमी के कारण रविवार को ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा हो सकती है। उधर शनिवार को सुबह साढ़े आठ से शाम साढ़े पांच बजे तक धार में दो, इंदौर में 1.7 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। उज्जैन में बूंदाबांदी हुई।

ग्वालियर, चंबल, सागर संभाग के जिलों में सुबह कोहरा छाया रहा। भोपाल में सुबह के समय धुंध छाई रही। सुबह साढ़े सात बजे से सुबह 10-30 बजे तक दृश्यता 1000 मीटर रही। प्रदेश में सबसे कम 12 डिग्री सेल्सियस तापमान खजुराहो में दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में दक्षिणी हरियाणा में हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। एक पश्चिमी विक्षोभ द्रोणिका के रूप में उत्तराखंड पर मौजूद है। दक्षिणी गुजरात उससे लगे उत्तरी महाराष्ट्र और अरब सागर पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। इस चक्रवात से लेकर उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश तक एक द्रोणिका बनी हुई है। इसके अलावा एक नया पश्चिमी विक्षोभ द्रोणिका के रूप में अफगानिस्तान के आसपास सक्रिय हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि अलग-अलग स्थानों पर बनी इन मौसम प्रणालियों के असर से बंगाल की खाड़ी एवं अरब सागर से लगातार नमी मिलने के कारण मध्य प्रदेश के अधिकतर शहरों में बादल बने हुए हैं।

मप्र भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा बोले
भाजपा बनाएगी इतिहास, कांग्रेस केवल झूठ बोलती है

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 के आ रहे परिणामों से मप्र भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा प्रसन्न हैं। अब तक के रुझानों के अनुसार भाजपा मध्य प्रदेश में शानदार जीत की ओर बढ़ रही है। पार्टी का मप्र में फिर सरकार बनाना तय हो गया है।

अपनी प्रतिक्रिया में मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि भाजपा अब तक की सर्वाधिक सीटें जीतकर इतिहास बनाएगी। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस केवल झूठ बोलती है। भाजपा की सरकार बनाने के लिए आगे की जो रणनीति होगी वो हमारा केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा। मप्र चुनाव में बीजेपी की बढ़त पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पार्टी नेता जश्न मना रहे हैं। केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया भी जश्न में शामिल हुए। मुख?यमंत्री ने वीडी शर्मा को मिठाई खिलाकर और बांहों में भरकर जीत की बधाई दी।

विजय शाह का बड़ा बयान- मोदी नहीं राहुल गांधी हैं पनौती

खंडवा। मध्य प्रदेश के वन मंत्री रहे विजय शाह लगातार आठवीं बार हरसूद विधानसभा से जीत के रिकार्ड के करीब हैं। वे अपने अपने प्रतिद्वंदी प्रत्याशी सुखराम साल्वे से 35 हजार वोट से लीड बनाए हुए हैं। संभवत: विजय शाह देश के ऐसे आदिवासी नेता हैं जिन्होंने लगातार आठवीं बार भाजपा से जीत सुनिश्चित की है।

विजय शाह ने अपनी जीत का श्रेय क्षेत्र की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत को दिया है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग मोदी जी को पनौती कहते थे, उन्हें मैं कहना चाहता हूं कि पनौती मोदी नहीं बल्कि राहुल गांधी पनौती है।

मंत्री बनने को लेकर आश्वस्त

शाह से जब पूछा गया कि क्या प्रदेश के नेतृत्व का मौका मिलेगा तो स्वीकार करेंगे, तो उन्होंने कहा कि भाजपा में कोई भी निर्णय पार्टी लेती है, मुझे कैबिनेट स्थान मिलता रहा है, इस बार भी मुझे पूरी उम्मीद है कि मंत्रिमंडल में शामिल रहूंगा।

भोपाल गैस कांड की बरसी पर सर्वधर्म सभा में पहुंचे सीएम शिवराज, दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

भोपाल। भोपाल गैस कांड की आज 39वीं बरसी है। इस मौके पर आज राजधानी के करोंद में स्थित भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में सर्वधर्म सभा का आयोजन किया। चुनावी गहमागहमियों के बीच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपना कीमती समय निकालकर इस सर्वधर्म सभा में पहुंचे और गैस कांड में मारे गए लोगों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

नहीं भूल सकते वो मंजर- इस मौके पर सीएम शिवराज ने कहा कि आज भी 2-3 दिसंबर की वो रात याद आती है तो हम कांप उठते हैं। जहरीली गैस के कारण हमारे हज़ारों भाई-बहनों और बच्चों ने अपनी जान गंवाई। भोपाल का वो दृश्य भूला नहीं जा सकता। मैं उन सब भाई-बहनों के चरणों में श्रद्धा के सुमन अर्पित करना चाहता हूं। उस भीषण त्रासदी ने कई अनमोल जिंदगियों को हमसे छीना है।

गैस पीड़ितों की याद में निकला मशाल जुलूस, शामिल हुए दिग्विजय- भोपाल गैस कांड की पूर्वसंध्या पर शनिवार को गैस पीड़ित महिला उद्योग संगठन द्वारा यादगार ए शाहजहांनी पार्क से बुधवारा चारबत्ती चौराहे तक आयोजित मशाल जुलूस निकाला गया। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह भी शामिल हुए। दिग्विजय ने भोपाल गैस त्रासदी में मारे गए लोगों को श्रद्धासुमन अर्पित और कहा दुख है कि राज्य सरकार ने गैस पीड़ितों की हरसंभव मदद नहीं की। कई ऐसे परिवार हैं, जो परेशान हैं। इनकी मदद हम सब को करनी है, जो परेशान हैं, रोजगार नहीं है। उनकी सूची बनाकर, मदद की जाए।

स म्पा द की य

जीडीपी की रफ्तार ने चौंकाया

मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर) में जीडीपी ग्रोथ की बढ़ी हुई रफ्तार ने सबको चौंका दिया। किसी ने नहीं सोचा था कि इकॉनमी इस अवधि में 7.6 फीसदी की रफ्तार हासिल करेगी। रिजर्व बैंक का भी अनुमान 6.5 फीसदी की बढ़ोतरी का था। इस आंकड़े से जुड़े कुछ खास पहलू ध्यान देने लायक हैं। पहला, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 13.9 प्रतिशत बढ़कर 7.15 लाख करोड़ रुपये तक जा पहुंचा है। दूसरा, कंस्ट्रक्शन क्षेत्र 13 फीसदी इजाफे के साथ 3.04 लाख करोड़ का हो गया है। तीसरा, निवेश में 11 फीसदी की बढ़त हुई है, जिसके बाद यह 14.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

हालांकि इन चमकते बिंदुओं के साथ ही ग्रोथ के आंकड़ों से जुड़े कुछ ऐसे भी पहलू हैं, जो राह में आगे खड़ी चुनौतियों की ओर संकेत करते हैं। एक बात तो यही है कि प्राइवेट खपत में बढ़ोतरी की रफ्तार काफी धीमी रही है। इस दौरान इसमें महज 3.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो आमदनी के वितरण के लिहाज से अच्छी खबर नहीं कही जा सकती। यह बड़ी बात है क्योंकि देश के त्रष्ठक्क में खपत की भागीदारी 60 फीसदी है। इसके अलावा एक अहम मसला है कृषि क्षेत्र का कमजोर प्रदर्शन। पहली तिमाही में 3.5 फीसदी की रफ्तार दिखाने वाला कृषि क्षेत्र दूसरी तिमाही में 1.2 फीसदी की बढ़ोतरी ही दर्ज करा सका।

सबसे बड़ी बात यह है कि साल के अगले हिस्से में भी इस क्षेत्र में बढ़ोतरी की अच्छी संभावना नहीं दिख रही, जिसका असर ग्रामीण क्षेत्र की मांग पर पड़ सकता है। मगर इन चुनौतियों के बावजूद देश की इकॉनमी पूरी दुनिया की उम्मीद का आधार बनी हुई है। उसके पीछे एक बडा फैक्टर है टैक्स कलेक्शन के मजबूत आंकड़े। ध्यान देने की बात यह भी है कि पिछले तीन वर्षों में भारत सरकार ने वित्त घाटे में राजस्व घाटे का हिस्सा कम कर लिया है।

सीधे शब्दों में इसका मतलब यह है कि कर्ज का बड़ा हिस्सा निवेश में लग रहा है। इसके अलावा घरेलू बचत के स्वरूप में भी बदलाव देखा जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में म्युचुअल फंड में निवेश तेजी से बढ़ा है। खासकर 2021-22 में इसमें ढाई गुना बढ़ोतरी देखी गई और उसके अगले साल यानी 2022-23 में 12 फीसदी की वृद्धि हुई।

साफ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई इकॉनमी है और इसे वैश्विक तौर पर ब्राइट स्पॉट माना जा रहा है तो यह स्थिति तुरंत बदलने वाली नहीं है। रिजर्व बैंक सालाना जीडीपी के अनुमान में बदलाव लाता है या नहीं, यह देखना होगा। लेकिन कई स्वतंत्र विश्लेषक ऐसे संशोधित अनुमान पेश कर चुके हैं। मसलन, बार्कलेज ने इसे 6.3 से बदलकर 6.7 कर दिया है। मगर 6.3 फीसदी की अनुमानित विकास दर के साथ भी भारत आईएमएफ के अक्टूबर में जारी वर्ल्ड इकॉनमिक आउटलुक प्रोजेक्शन में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में शामिल था। जाहिर है, कोई अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव नहीं हुआ तो भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की उम्मीद बनी रहेगी।

भोपाल गैस कांड: भारत को कटघरे में लाने से पहले अमेरिका को अपने घोर पापों का हिसाब देना होगा

आलोक मेहता

भारत सरकार और भारतीयों की उदारता और मित्रता का कई देश लाभ उठा लेते हैं। अमेरिका यह काम वर्षों से करता रहा है। लेकिन दुनिया पर दादागिरी की नीति के कारण अनुचित मुद्दों और गंभीर संकट की स्थितियों में भारत को परेशानी में डाल देता है। भारत विरोधी आतंकवादी संगठनों और नेताओं को पनाह डेटा रहा है, पाकिस्तान से जुड़े तालिबानी या खालिस्तानी आतंकी आरोपियों को अमेरिकी मानव अधिकार या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर बचने के अवसर देता है।

अब एक खालिस्तानी आतंकी आरोपी पन्नू की हत्या के षड्यंत्र में कुछ भारतीयों का संदिग्ध हाथ होने के मामले को उछाल दिया है। जबकि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर वह आतंकवाद से निपटने के लिए सबसे अधिक भारत का सहयोग मांगता है। जहाँ तक कानून की बात है, इस सदी के सबसे भयावह त्रासदी भोपाल गैस कांड के लिए जिम्मेदार अमेरिकी कंपनी के अमेरिकी अपराधियों को सजा देने और पर्याप्त मुआवजा देने के मामले अब भी लटकाए हुए है। इस 3 दिसम्बर को भोपाल गैस कांड के करीब 40 वर्ष होने वाले हैं। 1984 में अमेरिकी कंपनी यूनियन कार्बाइड कंपनी के गैस रिसाव से सैकड़ों लोग मारे गए और हजारों आज तक शारीरिक कष्ट झेल रहे हैं। अमेरिकी सरकार ने तब भारतीय नेताओं और अधिकारियों पर दबाव डालकर कम्पनी के मुख्य आरोपी अधिकारी वारेन एंडरसन को रातोरात भारत से निकाल लिया और उसे हजारों की हत्या के आरोप में फांसी की सजा से पूरी तरह जीवन पर्यन्त बचाए रखा। इस तरह के कितने ही गंभीर पापों का रिकॉर्ड दुनिया के सामने है।

अमेरिका में एक खालिस्तानी आतंकी की कथित तौर पर हत्या की साजिश में भारतीय नागरिक के शामिल होने के आरोपों पर भारत के विदेश मंत्रालय ने चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि ऐसे मामलों को हम गंभीरता से लेते हैं। जांच समिति पहले से ही बनाई गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत ने मामले के सभी प्रासंगिक पहलुओं पर गौर करने के लिए 18 नवंबर को एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया है। अमेरिकी अख़बार वाशिंगटन पोस्ट ने लिखा अलगाववादी नेता की हत्या की साजिश का पता चलने के बाद बाइडन प्रशासन इतना चिंतित था कि उसने सीआईए निदेशक विलियम जे बर्न्स और राष्ट्रीय खुफिया निदेशक एवरिल हेन्स को क्रमश: अगस्त और अक्टूबर में जांच की मांग करने और इसमें संलिप्त लोगों की जवाबदेही तय करने के लिए भारत भेजा। अमेरिका की ओर से इस तरह के दावे किए जाने के बाद कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने एक बार फिर भारत को घेरा है। उन्होंने कहा है कि जिस तरह का दावा अमेरिका ने किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उच्च स्तरीय जांच समिति पहले से ही बनाई गई है. कनाडा सरकार से आशा है कि वियेना कन्वेंशन के तहत व्यवहार करे।

अमेरिकी अधिकारियों कहा कि एक अलगाववादी नेता और अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। अमेरिकी वकील डेमियन विलियम्स ने कहा, निखिल गुप्ता ने भारत से न्यूयॉर्क शहर में भारतीय मूल के एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश रची। अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया कि न्यूयॉर्क शहर में रहने वाले सिख अलगाववादी नेता की हत्या से जुड़े आरोपों को निखिल ने स्वीकार किया है. निखिल ने जिस हत्यारे को सुपारी दी थी, वह वास्तव में अमेरिकी खुफिया एजेंसी का अंडरकवर एजेंट था।' लेकिन इससे यह तो जाहिर है कि अमेरिकी एजेंसी स्वयं ऐसे लोगों को तलाशती या उपयोग भी करती है।

अमेरिका को भी ये पता है कि गुरपतवंत सिंह पन्नू, भले ही अमेरिकी नागरिक हो, लेकिन भारत उसे भगोड़ा खालिस्तानी आतंकी मानता है। यही नहीं, वो ये भी जानता है कि पन्नू, भारत विरोधी बयान और गतिविधियों में लिप्त रहता है। हाल ही में आतंकी पन्नू ने एयर इंडिया की फ्लाइट में धमाका करने की धमकी भी दी थी. भारत, चाहता है कि अमेरिका खालिस्तानी आतंकवादी गतिविधियों को लेकर उसकी चिंताओं को समझे। विदेशी जमीन से खालिस्तानी गतिविधियों को बढ़ावा देने वालों को लेकर, भारत ने वैश्विक मंचों से सवाल उठाने शुरू किए हैं। यही वजह है खालिस्तानी समर्थक हाल फिलहाल के वर्षों में ज्यादा आक्रामक नजर आए हैं. गुरपतवंत सिंह पन्नू का संगठन सिख फॉर जस्टिस भी खालिस्तानी अलगाववाद को बढ़ावा देकर, भारत के टुकड़े करने के ख्वाब देखता है। यही वजह है भारत, उसे भारत लाकर, उस पर दर्ज किए गए आपराधिक मामले चलाना चाहता है। अमेरिका की नागरिकता, उसे बचा रही है। मुंबई में हुए बड़े आतंकी हमले से जुड़े अपराधी भी अमेरिका ने भारत को नहीं सौंप। भारत ने समय समय पर खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को भारत को सौंपने का मुद्दा उठाया है. लेकिन अमेरिका ने इसको हमेशा नजरअंदाज किया है

आतंक को लेकर अमेरिका समेत पश्चिमी देशों का दोहरा मापदंड है। अमेरिका ने तो ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में, जवाहिरी को अफगानिस्तान में, बगदादी को सीरिया में और ईरान रेवोल्यूशनरी गार्ड के मेजर जनरल कासिम सुलेमानी को ईराक में मार गिराया था। क्या अमेरिका के घोषित आतंकी, आतंकी हैं, और भारत द्वारा घोषित आतंकी, अमेरिका के सभ्य नागरिक? अमेरिका तो उन देशों में से है जो झूठे आरोप लगाकर इराक को बर्बाद कर चुका है। जैविक हथियार होने के आरोप लगाकर, उसने न सिर्फ इराक में भीषण कत्लेआम किया, बल्कि उसके पूर्व राष्ट्रपति सद्दाम को फांसी दे दी थी। यही नहीं अमेरिका दादागीरी के इस स्तर पर रहा है, कि उसने अपनी खुफिया एजेंसी की मदद के कई लैटिन अमेरिकी देशों की वामपंथी सरकारों का तख्तापलट तक किया।

अमेरिकी सेना या खुफिया एजेंसी, जब किसी आतंकी को ढेर कर देती है, तो उसके राष्ट्रपति दुनिया के सामने आकर, अपना गुणगान करते है। आतंकवाद से युद्ध के नाम पर अमेरिका, अपने दुश्मन को, किसी भी देश में मारने पहुंच जाता है. लेकिन यही अमेरिका, दूसरे देशों द्वारा घोषित आतंकियों को नागरिकता बांटकर, बचाता है. खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू इसका बड़ा उदाहण है।

भोपाल गैस त्रासदी के समय यूनियन कार्बाइड कॉर्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वारेन एंडरसन की वर्षों बाद अस्पताल में मृत्यु हो गई। 2 और 3 दिसंबर, 1984 की मध्यरात्रि को हुए जहरीली गैस कांड में 3,500 से अधिक लोग मारे गए और हजारों लोग अभी भी अपने स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव को झेल रहे हैं। ये जीवित बचे लोग फेफड़ों के कैंसर, किडनी फेलियर और लीवर की बीमारियों जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं।

यूनियन कार्बाइड के कारखाने से लगभग 40 टन 'मेथायिल अयिसोसायिनेट' गैस का रिसाव हुआ था. इस हादसे में यूनियन कार्बाइड के कारखाने के आस पास के इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हुई थी. वहीं सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस हादसे में मरने वालों की संख्या 5 हजार 295 के करीब थी। यूनियन कार्बाइड अमेरिका की रासायनिक कंपनी 'डॉव केमिकल' की शाखा थी।

इस कम्पनी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील आपदा के 36 साल बाद, 1984 की भोपाल गैस त्रासदी से संबंधित सुनवाई के लिए अदालत में पहली बार उपस्थित हुए।शुरुआती समन जारी होने के करीब 18 साल बाद मामले में सातवें समन पर वकील भोपाल कोर्ट में पेश हुए। यह सुनवाई त्रासदी के पीड़ितों की सहायता करने वाले एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) द्वारा दायर एक आवेदन से संबंधित थी। डॉव केमिकल की प्रतिनिधि एमी विल्सन आंशिक रूप से कानूनी परामर्शदाता के माध्यम से उपस्थित हुईं। कार्यवाही के दौरान, डॉव केमिकल ने अदालत को एक पेज का संक्षिप्त ज्ञापन सौंपा, जिसमें अतिरिक्त समय का अनुरोध किया गया और कहा गया कि एक अमेरिकी निगम होने के नाते, यह भोपाल अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर आता है। लेकिन गैस कांड पीड़ितों का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील अवि सिंह ने तर्क दिया कि 'आंशिक उपस्थिति' की अवधारणा की आपराधिक न्यायशास्त्र में कोई कानूनी मान्यता नहीं है।

डॉव केमिकल सम्मन को चुनिंदा रूप से चुनौती नहीं दे सकता है और उसे अदालत के निर्देश का पूरी तरह से पालन करना होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अधिकार क्षेत्र को चुनौती देने की डॉव केमिकल की कोशिश पर 2005 में ही उच्च न्यायालय में फैसला सुनाया जा चुका था और उसे खारिज कर दिया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि ' यदि डॉव केमिकल का अधिकृत प्रतिनिधि व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने में विफल रहता है, तो अदालत के पास जमानती वारंट जारी करने और डॉव केमिकल की अनुपस्थिति में सुनवाई आगे बढ़ाने का अधिकार है।' बहरहाल यह मामला अभी क़ानूनी दांव पेंच में जारी है। यही नहीं पीड़ितों को मुआवजा भी नाम मात्र का मिला। यदि ऐसी भयावह हत्याएं और रोगों के शिकार अमेरिका में होते तो अरबों डालर और मौत की सजा होती। कई देशों में पुराने युद्ध अपराधियों को दशकों बाद मौत की सजा हुई है। भारत में गैस कांड या आतंक से जुड़े लोगों को मृत्यु दंड कब मिलेगा?

'टारगेट किलिंग' अमेरिका का विशेषाधिकार क्यों?

-राकेश दुबे

टारगेट किलिंग आजकल चर्चा में है। सबसे अधिक उपयोग करने वाले देश अमेरिका को अपने क़ानून मंत्रालय से सबसे पहले खुद का रिव्यू करने को कहना चाहिए कि टारगेट कीलिंग का सर्वाधिकार केवल उसके पास ही सुरक्षित क्यों हो?

टारगेट किलिंग का सबसे बड़ा उदाहरण नेवी सील के उस छापे से समझा जा सकता है, जिसमें ओसामा बिन लादेन मारा गया था। व्हाइट हाउस का तर्क था कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 में आत्मरक्षा के लिए बल प्रयोग के उपयोग का अधिकार केवल अमेरिका के पास है। अमेरिका अलकायदा, तालिबान या आइसिस सरगनाओं की टारगेट किलिंग इसलिए कर रहा है , क्योंकि अमेरिका के विरुद्ध ये लोग साजिश करते दिखते हैं।

फरवरी, 2013 में अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा लीक किए गए एक श्वेतपत्र में टारगेट किलिंग के लिए कानूनी ढांचे का विस्तृत विवरण दिया गया था। यों कहिए कि लंबे समय तक अमेरिकी प्रशासन ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया था कि व्हाइट हाउस कितने लोगों को आत्मरक्षा का अधिकार के नाम पर मरवा चुका है। यूएन में संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत रह चुके फिलिप अल्स्टन, आत्मरक्षा के अमेरिकी दावों की निंदा करते हुए कहते हैं कि यदि अन्य देश ऐसा करते हैं, तो अमेरिका के न्याय विभाग को आपत्ति होती है, लेकिन अमेरिका ने 'कहीं भी, कभी भी लोगों को मार डालो' का अधिकार प्राप्त कर लिया है। यह अराजक स्थिति है।

कोलंबिया लॉ स्कूल के स्कॉलर मैथ्यू सी. वैक्समैन ने भी बयान दिया कि बिन लादेन को मारने के लिए अमेरिकी सील कमांडो को भेजना किसी देश की संप्रभुता का उल्लंघन ही था। अमेरिकी सरकार अपने अधिकारों की रक्षा अपने भूभाग पर करे, तो बात समझ में आती है। मगर, सहमति के बिना विदेशी धरती पर अपने बल का उपयोग करना कहां का इंसाफ है? न्यू अमेरिका फाउंडेशन द्वारा किए गए एक अध्ययन में बताया गया है कि अपने कार्यकाल के पहले दो वर्षों में, तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने राष्ट्रपति बुश की तुलना में चार गुना अधिक टारगेट किलिंग को अधिकृत किया था। रिपोर्ट में दावा किया गया कि 2009 के बाद से लगभग 291 हमले किए गए हैं, जिनमें जनवरी, 2013 तक 2,264 कथित आतंकवादी ड्रोन के ज़रिये अथवा अन्य टारगेट किलिंग में मारे गए।

सीआईए और डीओडी (डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस) टारगेट किलिंग जैसे ऑपरेशन पाकिस्तान-अफ़ग़ान सीमा के अलावा यमन, इराक़, सीरिया और लीबिया में भी चलाते रहे। पेंटागन 'किल एंड कैप्चर' कार्यक्रम में कितना आगे रहा है, उसके दस्तावेज़ों को सही से खंगालने पर स्पष्ट हो जाता है। 2009 में 'किल एंड कैप्चर' कार्यक्रम की भेंट 675 लोग चढ़ गये, यह संख्या 2011 में बढ़कर 2200 पर पहुंच चुकी थी। इंटरनेशन सिक्योरिटी असिस्टेंट फोर्स (आईएसएएफ) के कमांडर जनरल जार्ज अलेन कहते हैं कि जैसे-जैसे परंपरागत फोर्स की संख्या कम होगी, टेक्नोलॉजी की मदद से टारगेट किलिंग में इज़ाफे की संभावना बढ़ेगी।

सीआईए ने नवंबर, 2011 से जनवरी, 2012 तक पाकिस्तान में ड्रोन हमले पर रोक लगा दी, क्योंकि इन हमलों से द्विपक्षीय संबंध सहज नहीं रह गये थे। अप्रैल, 2012 में पाकिस्तानी संसद ने सीमा पर अमेरिकी ड्रोन हमलों को समाप्त करने की मांग के लिए सर्वसम्मति से मतदान किया। अमेरिका 10 साल बाद भी सुधरा नहीं। टारगेट किलिंग के नाम पर मार्च, 2023 में यमन के मरीब ज़िले में अब्देल अल अजीज़ अदनानी और सीनियर अल क़ायदा सरगना हमद बिन अल तमीमी को यूएस फोर्स ने मार गिराया था। 1977 में पारित जेनेवा कन्वेंशन के तहत टारगेट किलिंग को युद्ध अपराध की श्रेणी में लाया गया था। मगर, इसे मानता कौन है? रूस, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, तुर्की, सउदी अरब, चीन जैसे दुनिया के चुनींदा देशों से कोई पूछे कि आतंकवाद उन्मूलन के नाम पर कितने लोगों की हत्याएं कराने के ऑर्डर उनकी सरकारों ने दिये हैं। आपको अनगिनत उदाहरण मिलेंगे। इस्राइली प्रधानमंत्री अरियल शेरोन ने एक समय जार्ज बुश को लिखित आश्वासन दिया था कि यासिर अराफात की हत्या नहीं करवायेंगे। अराफात का मरना भी रहस्य था। बाद के वर्षों में हमास के कई नेता टारगेट कीलिंग के शिकार होते रहे। आतंकवाद के सफाये के नाम पर जो कुछ ग़लत-सही होता रहा, संयुक्त राष्ट्र महासभा तक में चुप्पी साध ली जाती।

यदि अमेरिका की तरह भारत ने भी संसद में 'टारगेट कीलिंग' क़ानून पास करवाया होता, तो आज उसे जस्टिन ट्रूडो और जो बाइडेन प्रशासन को जवाब देने की नौबत नहीं आती। भारत का विदेश मंत्रालय तब बोल सकता था कि अमेरिका सबसे पहले अपने बहत्तर छेदों को देखे, फ़िर बात करे। भारत के विरुद्ध अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ाने में जस्टिन ट्रूडो और जो बाइडेन बराबर के भागीदार हैं।

जो बाइडेन की रंगभेद नीति का ही नमूना है कि वो जस्टिन ट्रूडो को भारत के विरुद्ध ईंधन मुहैया करा रहे हैं। अमेरिका के क़ानून मंत्रालय को सबसे पहले खुद का रिव्यू करना चाहिए कि टारगेट कीलिंग का सर्वाधिकार केवल उसके पास ही सुरक्षित क्यों हो?

बेस्ट स्मार्ट सिटीज़ से सीखें सबक , तो देश का हर शहर हो बेहतर

अमिताभ पाण्डेय

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने कुछ महीने पहले भारत के उन शहरों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जहां मानव जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। ऐसे शहरों को बेस्ट स्मार्ट सिटी घोषित किया गया। इंदौर को देश का सबसे स्मार्ट शहर घोषित किया गया। आवास और शहरी विकास मंत्रालय के प्रोग्राम स्मार्ट सिटीज़ मिशन के तहत वायु गुणवत्ता सुधार, स्वच्छता और जल प्रबंधन में अव्वल घोषित बेस्ट स्मार्ट सिटी इंदौर से देश के दूसरे शहर बहुत कुछ सीख सकते हैं। लेकिन यह जानना भी दिलचस्प होगा कि देश के दूसरे स्मार्ट शहर से इंदौर जैसी बेस्ट स्मार्ट सिटीज़ क्या कुछ सीख सकती हैं।

इंदौर अपने यहां लगातार नवाचारों के साथ बुनियादी ढ़ांचे का विकास करते हुए नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बना रहा हैं। वायु गुणवत्ता सुधार, स्वच्छता और जल प्रबंधन में अव्वल बेस्ट स्मार्ट सिटी इंदौर से देश के दूसरे शहर बहुत कुछ सीख सकते हैं। इंदौर के अलावा अन्य स्मार्ट सिटीज़ के कुछ नवाचार भी अनुकरणीय हैं। आइये अब योजनाबद्ध विकास के इस दौर में इंदौर और दूसरे स्मार्ट शहरों को मिल रही तारीफ के कारणों को तथ्यों के साथ जानें।

वायु गुणवत्ता, स्वच्छता, जल प्रबंधन में अग्रणी

शहरी पर्यावरण में बेहतरीन प्रदर्शन, स्वच्छता (सेनिटेशन) में गोबर धन बायो सीएनजी प्लांट और घर-घर से निकलने वाले कचरे को कंचन में बदलने के कारण इंदौर अव्वल है। वायु गुणवत्ता सुधार के लिए इंदौर नगर निगम युनाइटेट स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) के साथ क्लीन एयर कैटलिस्ट प्रोग्राम के तहत करीब साढ़े तीन साल से वैज्ञानिक समाधानों पर लगातार काम कर रहा है। यही वजह है कि स्वच्छ वायु सर्वेक्षण और स्मार्ट सिटीज़ सर्वे की एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कैटेगरी में भी इंदौर देश के दूसरे शहरों के लिए मिसाल है। जल प्रबंधन के लिए इंदौर ने कई कदम उठाए जैसे सरस्वति ओर कान्ह नदी लाइफलाइन प्रोजेक्ट (संकल्प), रेनवाटर हार्वेस्टिंग शहर को 'वाटर प्लस' से 'वाटर सरप्लस' सिटी बनाना और झीलों के साथ ही कुओं और बावड़ियों को पुनर्जीवित करना।

मिसाल बना फाइनेंसिंग मॉडल

सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की बेहतरी के लिए बना इंदौर का वैल्यू केप्चर फाइनेंसिंग मॉडल दूसरे शहरों के लिए उदाहरण बना है। नवाचार के साथ तैयार किया गया यह अच्छा वित्त पोषण (फाइनेंसिंग) मॉडल है जो राज्य या केंद्र सरकार पर कम निर्भर है। इंदौर ने इस मॉडल के तहत राजस्व हासिल करना शुरू कर दिया है।

दूसरी स्मार्ट सिटीज़ से भी मिली सीख

कुछ दूसरी स्मार्ट सिटीज़ ऐसी हैं, जिनसे इंदौर शहर भी बहुत कुछ सीख सकता है। जैसे- सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, स्मार्ट प्रशासन, इंटिग्रेटेड कंट्रोल ऐंड कमांड सेटर (आईसीसीसी) बिजनेस मॉडल, मोबिलिटी, सामाजिक बुनियादी ढांचा और इनोवेटिव आइडियाज़ या अभिनव विचार। कोयंबटूर ने अपनी आठ झीलों को जोड़ कर इनके लिए उम्दा वातावरण तैयार करने और सबसे बड़ी झील सेल्व चिंतामणी को कचरे और गंदगी से मुक्त कराने का संकल्प पूरा किया। इस प्रोजेक्ट के जरिये पर्यावरण विकास में यह शहर नंबर वन है।

विरासत सहेजने में भोपाल सरताज

सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की वजह से अहमदाबाद, भोपाल और तंजावुर बेहतर साबित हुए हैं। भोपाल के सदर मंजिल जीर्णोद्धार और हैरिटेज वाक प्रोजेक्ट अनुकरणीय माना गया है। इसी तरह, शहर की अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के मोर्चे पर जबलपुर स्मार्ट सिटी का 2017 से चल रहा इन्क्यूबेशन सेंटर अव्वल है। इसमें 200 से ज्यादा स्टार्टअप्स 100 से ज्यादा मेंटर्स और 20 से ज्यादा निवेशक साथ काम कर रहे हैं। इसने ऑनलाइन स्टार्टअप पाठशाला के जरिए कोविड काल में 10 हजार से ज्यादा छात्रों को उद्यमिता का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा कोडिंग पाठशाला और लीगल पाठशाला भी काम कर रही हैं।

ई-गवर्नेंस में चंडीगढ़ बेस्ट

शासन प्रणाली (गवर्नेंस) को चाक-चौबंद बनाने में नागरिक सेवाओं के लिए मोबाइल ऐप्स का इस्तेमाल हो रहा है। चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी का ई-गवर्नेंस सबसे अच्छा माना गया है। पिंपरी-चिंचवड़ की स्मार्ट सारथी ऐप और उदयपुर की स्मार्ट एप्लिकेशन के साथ जबलपुर 311 ऐप अन्य स्मार्ट शहरों की तुलना में बेहतर हैं। स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत इंटिग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) की स्थापना देश के सभी स्मार्ट शहरों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सेंटर के जरिए अहमदाबाद ने ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए 32 जगह एलईडी लगाकर मिसाल कायम की है। सूरत का आईसीसीसी रेवेन्यू पैदा करने के लिए, ग्वालियर ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए तो आगरा रेवेन्यू बढ़ाने और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए आईसीसीसी का उपयोग कर रहे हैं। मोबिलिटी के मामले में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के अंतर्गत पब्लिक बाइक शेयरिंग और साइकिल ट्रैक का निर्माण करने के लिए चंडीगढ़, बिना मोटर वाले परिवहन को बढ़ावा देने की वजह से न्यू टाउन कोलकाता और सड़क सुरक्षा के साथ ही इंटेलीजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करने के लिए मध्यप्रदेश का सागर आगे है।

वडोदरा और आगरा के हेल्थ सेंटर अव्वल

सामाजिक मामलों में वडोदरा का हॉस्पिटल मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस।) अव्वल है। इसके आगरा स्मार्ट सिटी का काम भी अच्छा है। पीपीपी आधारित स्मार्ट हेल्थ सेंटर और स्थानीय निकायों के स्कूलों को बेहतर बनाने की वजह से आगरा आगे है। स्कूल उन्नयन के लिए रायपुर और स्मार्ट क्लासरूम तथा ई-मॉनीटरिंग के लिए तूतुक्कुडी की तारीफ हुई है। शिवमोगा ने घनी आबादी को न केवल साफ सुथरा किया है बल्कि वहां ई-टॉयलेट, जिम ओर बच्चों के खेलने के लिए साधन स्थापित किए हैं। पुराने शहर में सफलतापूर्वक ई-ऑटो के सफल संचालन के कारण वजह से जम्मू स्मार्ट सिटी ने तारीफ बटोरी है।

नवाचार में हुबली-धारवाड़ नंबर वन

आगरा शहर स्मार्ट मीटर और पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण प्रणाली स्थापित करने के लिए सराहा जाता है। अटल सरोवर को पुनर्जीवित कर राजकोट ने ख्याति अर्जित की है। नवाचार में हुबली-धारवाड़ नंबर वन है, जहां खुली जगह का बेहतरीन इस्तेमाल, नालों का पुनरुद्धार और ग्रीन कॉरिडोर के निर्माण जैसे अभिनव प्रयास सफलतापूर्वक किए गए हैं। इसी वर्ग में सूरत ने स्वपोषित सार्वजनिक बागवानी नहर पथ स्थापित करते हुए नवाचार किया। छत्तीसगढ़ के रायपुर ने नालंदा परिसर में ऑक्सी रीडिंग लाइब्रेरी जोन विकसित किया है।

विकास ही अंतिम लक्ष्य

शहरीकरण की तेज रफ्तार के मामले में भारत, दुनिया के कई देशों में आगे है, लेकिन शहरों को अपने नागरिकों की जरूरतों के मुताबिक जरूरी सुविधाओं के साथ सुसज्जित करना स्थानीय निकायों से लेकर केंद्र सरकार तक की जिम्मेदारी है। भारत में स्मार्ट सिटी मिशन जैसे कार्यक्रम इस बात के गवाह हैं कि देश के विभिन्न शहर एक दूसरे की खूबियों से बहुत कुछ सीख विकास के पथ पर आगे बढ़ते हुए राष्ट्र निर्माण में विशेष योगदान दे सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

एड्स दिवस पर मानव श्रृंखला का निर्माण कर दिया एड्स से जागरुकता का संदेश

सीहोर। एड्स दिवस पर चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों ने एड्स जागरूकता के लिए एक रैली निकाली। इस अवसर पर अतिथियों ने एड्स को लेकर कहा कि डरना नहीं समझना है एड्स से बचना है। इसके पहले कॉलेज प्राचार्य शीलचंद गुप्ता के मार्गदर्शन और महाविद्यालय की एनएसएस इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ रुखसाना अंजुम खान और डॉ कैलाश विश्वकर्मा के निर्देशन में विश्व एड्स दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय की एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों ने एड्स जागरूकता के लिए एक रैली निकाली। उसके बाद एक मानव श्रृंखला बनाई गई तथा एक नुक्कड़ नाटक का मंचन भी किया गया तत्पश्चात महाविद्यालय के एनएसएस कक्षा में एक भाषण प्रतियोगिता रखी गई। जिसमें एनएसएस के स्वयंसेवकों ने एड्स के बारे में विस्तृत जानकारी महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ साझा की। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

जलवायु परिवर्तन पर चिकित्सा अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

सीहोर। राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं नियंत्रण कार्यकम के अंतर्गत सीएमएचओ कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के चिकित्सा अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें मास्टर प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने जानकारी दी कि प्रशिक्षण में प्रदूषण एवं बचाव एवं नियंत्रण के लिए निर्देशित किया गया एवं विभिन्न प्रदूषण के बारे में जानकारी प्रदान की गई। प्रदूषण के कारण एवं उनसे होने वाले खतरनाक प्रभावों और उनको नियंत्रित करने वाले रोकथाम व उपायों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। चिकित्सकों को डॉ.अंकित चाण्डक जिला स्वास्थ्य अधिकारी तथा डॉ. रुचिरा उईके एपीडियोमिलॉजिस्ट द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। ज्ञात हो कि प्रदूषण के कारणों में जीवाश्म ईंधन का जलना, ऑटोमोबाईल, कुषि गतिविधियां, कारखाने एवं उद्योग, खनन गतिविधियां, घरेलू स्त्रोत आदि पर जानकारी दी गई। प्रभाव में रोग, ग्लोबल वार्मिंग, अम्ल वर्षा, ओजोन परत, रिक्तिकरण, जानवरों पर प्रभाव पर प्रशिक्षित किया गया। स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में बताया कि हृदय रोग, फेफड़ो का कैंसर, बच्चों के शारीरिक विकास में बाधा, मानसिक रोग, रक्त का विषैला होना, बालों का झड़ना, एलर्जी एवं संकमण, गले में खरास एवं दर्द शामिल है एवं जरूरी जानकारी प्रदान की गई।

जिले में 01 दिसम्बर तक 1052.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

सीहोर। जिले में 01 दिसम्बर तक 3.0 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र सीहोर में 0.0, मिलीमीटर, श्यामपुर में 1.1, आष्टा में 2.0, जावर में 0.0, इछावर में 3.0, भैरूंदा में 3.3, बुधनी में 11.0, रेहटी में 3.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 01 जून से 01 दिसम्बर तक 1052.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज जिले में 01 जून से 01 दिसम्बर को प्रात~8 बजे तक 1052.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। गत वर्ष इसी अवधि में औसत वर्षा 1642.2 मिलीमीटर थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1148.4 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जून से 01 दिसम्बर 2023 तक जिले के वर्षामापी केन्द्र सीहोर में 1030.6, मिलीमीटर, श्यामपुर में 748.2, आष्टा में 1013.0, जावर में 1072.9, इछावर में 953.0, भैरून्?दा में 1132.9, बुधनी में 1274.0 तथा रेहटी में 1197.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

आज होगा साफ जनता किसकी करेंगी ताजपोशी

शहडोल 7आज साफ हो जायेगा की देश की जनता किसे अपना सरताज बनाएंगी और किसे तख्त से उखाड़ फेकेगी, सियासी उठापटक की माने तो सभी अपने अपने पार्टी के प्रचंड बहुमत से मध्यप्रदेश मे आने का दावा कर रहे है परंतु आज यह तस्वीर साफ हो जाएगी की मध्यप्रदेश की जनता किसे अपना अमूल्य मत देकर आने वाले पांच वर्षो के लिये सर आँखो पर बैठाकर रखेगी 7

शहडोल जिले की तीनो विधानसभा जैतपुर, जयसिंहनगर और ब्योहारी मे भाजपा, कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों के प्रत्याशीयो ने भरपूर दमखम लगाकर जनता से अपना महत्वपूर्ण मत प्राप्त करने की न केवल कोशिश की है बल्कि जीत हासिल करने के लिये हर संभव प्रयास किया है तो वही निर्दलियो ने भी जोर आजमाइश मे कोई कसर नहीं छोड़ी है 7 जिले की तीनो ही विधानसभा आरक्षित सीट होने के नाते सभी प्रत्याशीयो का रुख ग्रामीण अंचल की ओर ज्यादा देखने को मिला है, तो वही जिला मुख्यालय से लगी जयसिंहनगर सीट जो जिले की सबसे महत्वपूर्ण सीट भी मानी जाती है इसमें विगत 20 वर्षो से भाजपा ने शाशन किया है और शहडोल को भाजपा मय होने का दर्जा भी प्राप्त करवाया है 7

जैतपुर सीट से भी भाजपा ने मारी थी एंट्री

बीते 2018 विधानसभा कांग्रेस की उमा धुर्वे और भाजपा की मनीषा सिंह के बीच काटे की टक्कर देखने को मिली थी तो वही चंद वोटो के फासलो से उमा धुर्वे को हार का सामना करना पड़ा था परंतु बीते पांच सालो के कार्यकाल से भाजपा से विधायक रही मनीषा सिंह ने जनता से दूरिया बनाई और सिर्फ अपनों को ही लाभ दिलाने का कार्य किया जिसके चलते इनके कार्यकाल मे आये दिन जनता के क्रोध का सामना इनको विधानसभा क्षेत्र जैतपुर के ग्रामीण अंचल मे देखने को मिला, जनता के आरोपों की माने तो इनके कार्यकाल के दौरान इनके पति बबुआ सिंह ने सभी कार्यो मे खुलकर न सिर्फ ठेकेदारी प्रथा लागू की अपितु अपने सगे सम्बन्धियों को भी लाभ दिलाने मे कोई कसर न छोड़ी जिसके चलते आये दिन हो रही शिकवा शिकायतों से बचाव हेतु पार्टी द्वारा इन्हे इसबार जयसिंहनगर से अपना प्रत्यासी घोषित किया और जयसिंहनगर से विधायक रहे जयसिंह मरावी को पुन जैतपुर की कमान सौपी गयी, वही इसबार पुन भाजपा से जयसिंह मरावी और कांग्रेस से उमा धुर्वे के बीच कड़ी घमासान देखने को मिली है 7

जयसिंहनगर मे भी घमासान

जिला मुख्यालय से जुडी जयसिंहनगर सीट आये दिन सुर्खियों मे बनी रहती है लेकिन इस बार इसके चर्चा मे होने का कारण भाजपा से प्रत्यासी मनीषा सिंह के होने का है विदित हो की बीते कार्यकाल मे जहाँ जयसिंह मरावी ने भाजपा से इस सीट पर अपनी दाखिली दिखाई थी तो वही इस बार बदलाव और व्यक्तिगत लाभ का क्रोध जनता मे देखने को मिला है तो वही कांग्रेस से प्रत्यासी नरेंद्र मरावी पूर्व के जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुके है इनके लिये इस बार आपसी द्वन्द फायदेमंद हो सकता है 7

ब्योहारी मे भी कश मकश

जिले के ब्योहारी विधानसभा भी अपने आप मे एक बड़ा योगदान प्रदान करती है यहाँ से विधायक रहे शरद कोल आये दिन अख़बार की सुर्खियों मे बने रहते है बात करें इनके कार्यकाल की तो ये पूर्व मे कांग्रेस से विधयाक रहे जिससे नाराजगी और क्षेत्र मे बढ़ते विरोध को देखते हुए इन्होने भाजपा का हाथ थामा और बीते 3 वर्ष भाजपा से यहाँ पर काबिज रहे जानकारों की माने तो इनके कार्यकाल मे आपसी लोगो को लाभ दिलाना रेत मे आये दिन इनके संलिप्त होने के आरोप लगे है तो वही इस बार कांग्रेस से प्रत्याशी रामलखन सिंह जिला पंचायत सदस्य होने के साथ एक अच्छे प्रतिद्वंदी और युवा नेता के रूप मे जाने जाते है, क्षेत्र मे इस बार बदलाव की लहर साफ तौर पर देखी गयी है अब की बार जनता ब्योहारी से किसे अपने मुखिया के तौर पर देखेगी यह एक बड़ा सवाल होगा 7

बहरहाल इस बार के चुनाव मे दोनों प्रमुख पार्टियों के दावेदारों ने अपने अपने पार्टियों की लाभान्वित योजनाओं का खूब बखान कर वोटरो को अपने पक्ष मे करने मे एड़ी चोटी का बल लगा दिया है तो वही दूसरी ओर अन्य पार्टियों से दावेदार प्रत्याशीयो ने भी जी जान लगाकर मेहनत की है अब देखना होगा की शहडोल जिले की जनता किसे अपना प्रमुख मानकर ताखतो ताज के काबिज करेंगी 7

बाउंड्री वॉल का कार्य प्रारंभ सहाफ़ी लोगों की देख रेख चल रहा है काम

8 लाख रुपए के खर्चे से होगा कार्य

सिरोंज कई वर्षो से तालाब किनारे वाले कब्रिस्तान का व्यवस्थित तरीके से गत वर्षो से कुछ भूमि स्वामी बनकर गलत तरीके से फायदा उठाकर लोगों से किराया वसूली का कार्य कर रहे थे जिसको देखते हुए शहर के सहाफि एडवोकेट शोएब खान द्वारा मेहनत करके उसको राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराया जिससे अब वहां बाउंड्री वॉल कराकर कब्रिस्तान की व्याप्त गंदगी भी खत्म हो सकेगी। कब्रिस्तान मैं बाउंड्री वॉल नहीं होने की वजह से कब्रिस्तान में बढ़ रही थी गंदगी जिसको देखते हुए क्षेत्रीय उलेमा एवं मुस्लिम समाज के मशवरे के बाद ग़ाज़ी वाली अहमद साहब चिश्ती की सरपरस्ती में बाउंड्री बाल उठाने का फैसला किया गया जिसकी जिम्मेदारी एडवोकेट शोएब खान को सौंपी एडवोकेट शोएब खान द्वारा बाउंड्री बाल का काम शुरू करवा दिया गया करीब तीन रोज से कब्रिस्तान की बाउंड्री

बाल का काम चल रहा है इस विषय में एडवोकेट शोएब खान ने बताया कि इस बाउंड्री बाल का काम पूरा होने के बाद शहर में

जिन कब्रिस्तानों में गंदगी हो रही है उन कब्रिस्तान में भी बाउंड्री बाल करवा कर गेट लगाया जाएगा जिस के बाद पालतू जानवर मवेशी कब्रिस्तान में ना जा सके और गंदगी से कब्रिस्तान बचा रहे हम धीरे-धीरे करके शहर में मौजूद सभी कब्रिस्तान में बाउंड्री बाल बनाने की मुहिम चलाएंगे वहीं शोएब खान ने बताया कि सिरोंज बलेजा पेट्रोल पंप पर स्थित गोरी समाज के कब्रिस्तान है इसी से प्रेरित होकर गोरी समाज ने भी अपने कब्रिस्तानों की बाउंड्री बाल करने का फैसला किया है एवं काम शुरू भी कर दिया सभी मुस्लिम वर्ग के लोगों को बढ़-चढ़कर ज्यादा से ज्यादा बाउंड्री बाल में सहयोग करने की आवश्यकता है जिससे कि कब्रिस्तान की दुर्दशा बिगड़ने से बचे

नगर पालिका और ठेकेदारों की जुगलबंदी का अनूठा गठजोड़

वार्डों में डाले गऐ रोडों में घटिया सामग्री का किया गया इस्तेमाल आचार संहिता का उठाया पूरा लाभ

सिरोंज नगर के वार्डों में आचार संहिता के लगते ही रोड़ों के कामों का अंबार लग गया मानो जैसे आचार संहिता के बाद निर्माण कार्य की ही नहीं जाएंगे कुछ व्यक्तियों का ध्यान इस और आकर्षित हुआ तो इन्होंने इसकी शिकायत भी कई बार मौखिक नगर पालिका अधिकारियों से की नगर पालिका अधिकारी रोड निर्माण कार्य स्थान पर देख दिखावे के लिए तो आए लेकिन घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहे रोड़ों पर रोक ना लगा सके कई बार मीडिया कर्मियों द्वारा भी खबरों में प्रकाशित किया गया लेकिन नगर पालिका के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारियों ने इस और ध्यान नहीं दिया मीडिया कर्मियों ने कई बार टिएस की कॉपी की मांग भी की नगर पालिका सीएमओ के आदेश के बाद भी कर्मचारियों ने टिएस की कॉपी नहीं दी जिससे इसका अंदाजा भी लगाया जा सकता है कि कहीं ना कहीं सीएमओ की भी मिली भगत से सिरोंज नगर के रोड का निर्माण किया गया वहीं रोडो की स्थिति आज भी देखी जाए तो अभी से ही रोड चटकने लगे आज भी अगर जांच की जाएगी तो रोड़ों में घटिया सामग्री मौजूद मिलेगी सिरोंज के रहवासी इस बात से ना खुश है कि कई वर्षों में रोड डाले वह भी घटिया

सामग्री से नालियों का भी किया गया निर्माण घटिया स्तर पर अगर आज भी वार्डों में चेक किया जाए तो कई वार्ड में नालियां आव्यवस्थित तरीके से पड़ी हुई है और वार्ड वासी परेशान हो रहे हैं लेकिन इस और नगर पालिका ध्यान नहीं दे रही ठेकेदारों का मनचाहा काम और नगर पालिका की मिली भगत से सरकार के लाखों रुपयो का दुरुपयोग किया गया है और लगातार किया जा रहा है कब होगा सुधार

ऑनलाइन जॉब, पार्ट टाइम जॉब, टास्क पूरा करने जैसे वीडियो से जालसाज कर रहे ठगी

टेलीग्राम एप्लीकेशन के माध्यम से जालसाज कर रहे ठगी, पुलिस ने जारी की एडवायजरी

सीहोर। टेलीग्राम एप्लीकेशन के माध्यम से जालसाज ठगी कर रहे हैं। ऐसा तेजी से देखने में आ रहा है। इसे लेकर साइवर क्राइम पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है।

पुलिस की माने तो टेलीग्राम एप्लीकेशन के माध्यम से ठगी के संबंध में एडवाइजरी वर्तमान डिजिटल परिवेश में सायबर जालसाजों द्वारा नागरिकों को टेलीग्राम एप पर विभिन्न प्रकार से ठगा जा रहा है, जिसमें टेलीग्राम एप्लीकेशन पर विभिन्न प्रकार के मैसेज भेजकर धोखाधड़ी करना देखने में आ रहा है।

टेलीग्राम एप पर सायबर ठग सक्रिय हैं, जो कई तरीकों से लोगों के साथ ठगी कर रहे है ऑनलाइन जॉब,पार्ट टाइम जॉब, टास्क पूरा करने जैसे वीडियो,चैनल को लाइक या सब्स्क्राइब कराने पर कमीशन का लालच देकर फ्राड किया जा रहा है।

क्रिप्टो करंसी में निवेश के नाम पर भी झांसे में ले रहे ठग

क्रिप्टो करंसी में निवेश के नाम पर टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर ग्रुप के अन्य सदस्यों द्वारा कई गुना लाभ बताकर पीड़ित को उनके बताये अनुसार क्रिप्टो करेंसी में निवेश करने के नाम पर ठगी करना। टेलीग्राम पर असली ट्रेडिंग चैनल से मिलते-जुलते नाम के फर्जी चैनल बनाकर उसमें सम्मिलित करके फर्जी खरीद-फरोख्त, निवेश तथा लाभ दिखाकर पैसे फ्रॉड अकाउंट में डालकर ब्लॉक कर देना। टेलीग्राम पर प्रोडक्ट की शॉपिंग व सॉफ्टवेयर की मदद से रेटिंग बढ़ाने के नाम पर पैसे जमा कराना एवं लाभ दिखाकर पैसे ब्लॉक करके ग्रुप डिलीट कर देना। टेलीग्राम पर संचालित चैनलों पर फ्री मूवी, गेम, सॉफ्टवेयर डाउनलोड की सुविधा देकर पीड़ित के फोन में वायरस, मालवेयर इंस्टाल कर के फोन का डाटा चुराना।

ये बरते सावधानी

टेलीग्राम पर किसी भी अनजान प्रोफाइल, ग्रुप या चैनल से ना जुड़ें ना ही किसी दिए गए लिंक पर क्लिक करें। क्रिप्टो करंसी निवेश पर अत्याधिक लाभ, शॉपिंग या जॉब ऑफर्स के लालच में फीस, रजिस्ट्रेशन, एडवांस ट्रेडिंग मनी आदि के नाम पर किसी खाते में पैसे जमा न करें। टेलीग्राम पर किसी लिंक के माध्यम से ओपन हुए एप / वेबपेज पर अपनी व्यक्तिगत जानकारियां दर्ज न करें। अपने सभी सोशल मीडिया व ईमेल अकाउंट आदि पर टू-फेक्टर ऑथेंटिकेशन की सुविधा चालू करें, ताकि आपके अकाउंट आसानी से हेक ना किये जा सकें। किसी भी अंजान वेबसाइट के माध्यम से मूवी, सॉफ्टवेयर इत्यादी डाउनलोड न करें। इससे आपके मोबाइल में वायरस या मालवेयर इंस्टॉल करके मोबाइल का डाटा चोरी किया जा सकता है। यदि आपके साथ कोई सायबर अपराध घटित होता है तो उसकी शिकायत अपने नजदीकी पुलिस थाने में या टोल फ्री नम्बर 1930 पर करें।

सर्दी से बचने के लिए लोग अलाव का ले रहे हैं सहारा, लावारिसों के लिए, नगर पालिका ने नहीं किए इंतजाम

सिरोंज। पिछले 5 दिनों से आसमान पर बादलों छाए हुए हैं सुबह की शुरुआत गाने कोहरे से होती है। गुरुवार को नगर सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों में पानी गिरने से जहां किसानों को फायदा हुआ वहीं सर्दी का असर भी बढ़ने लगा है। दोपहर के बाद हल्की हवाएं भी चलने से सर्दी का असर पड़ता ही जा रहा है जैसे ही मौसम साफ होगा तो कड़ाके की सर्दी भी पड़ेगी अभी इसी तरह मौसम खराब रहने की संभावना मौसम विभाग के द्वारा जाहिर की है। दूसरी ओर सर्दी का असर बढ़ते ही लोग जगह-जगह आग जलाकर आ सेकते हुए भी नजर आए गर्म कपड़ों की मांग भी बढ़ गई है। सर्दी के मौसम में सभी को ध्यान देना होगा घर से निकलते समय गर्म कपड़ों का उपयोग ज्यादा से ज्यादा मात्रा में करें। वही नगर पालिका प्रशासन के द्वारा बेसहारा लोगों के लिए सर्दी से बचने के लिए अभी कोई जतन नहीं किए हैं। इसकी वजह से ऐसे लोगों को जरूर परेशानी हो रही है।

नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही दे रही है हादसे को आमंत्रण, नल लीकेज के लिए सड़क खोदकर छोड़ी

सड़कों पर महीना पड़ा रहता है मटेरियल नहीं होती करवाई

सिरोंज। नगर पालिका परिषद का संचालन तो भगवान भरोसे ही हो रहा है यहां की व्यवस्था दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। हम जनता की समस्याओं का समाधान तो हो नहीं रहा है दूसरी और लाखों रुपए की लागत से बनी सी सी सड़कों को बर्बाद किया जा रहा है। वही आम आदमी को परेशान करने के लिए सड़क खोज कर छोड़ दी जाती है कई लोगों के द्वारा मकान के निर्माण के लिए डाले गए पदार्थ को कई दिनों तक नहीं उठाया जाता है, मटेरियल को डालकर छोड़ छोड़ देने का काम किया जाता है। जिससे ऐसा लगता है कि इनकी जगह पर यह मटेरियल हो जबकि सरकारी संपत्ति पर इस तरह से सामान डालने पर प्रतिबंध है ऐसा करने वालों पर जुर्माना साथ मटेरियल जप्त करने का अधिकार भी प्रशासन के पास है पर ऐसा नहीं हो रहा है इसकी वजह से ऐसे लोगों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। इसकी वजह से दुर्घटनाएं भी हो रही है शिकायतों पर भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।इस कारण नगर पालिका के खिलाफ आम जनता में आक्रोश भी बढ़ता ही जा रहा है। नगर पालिका प्रशासन के जिम्मेदारी कर्मचारियों की लापरवाही कारण नगर वासियों को प्रतिदिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शिकायतों के बाद भी समय रहते जिम्मेदार निराकार भी नहीं करते है। दूसरी ओर शहर में जल आवर्धन योजना के अंतर्गत डाली गई पाइप लाइन में प्रतिदिन कहीं ना कहीं लीकेज के होता है। इसकी वजह से लाखों रुपए की लागत से बनाई जा रही है। सीसी सड़कों को खोदने का काम भी किया जाता है। सड़क निर्माण के दौरान नालियों मैं पदार्थ डालकर छोड़ दिया जाता है इसकी वजह से वहां चौक हो रही है कम होने के बाद ठेकेदार के द्वारा इनको ठीक भी नहीं करवाया जाता है। इसकी वजह से रहवसियों को पानी निकासी की समस्या का सामना भी करना पड़ा। इसी तरह की एक लापरवाही फिर सामने आ रही है पीर पीरजादापुरा में पाइपलाइन का लीकेज ठीक करने के लिए सड़क को खोद कर छोड़ दिया गया है ,आसपास सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं वाहनों का आना जाना निरंतर जारी है रात के अंधेरे में भी किसी वाहन चालक को खड़ा दिखाई नहीं दिया तो वह इसमें गिरकर दुर्घटना का शिकार भी हो सकता है। लापरवाही के कारण बड़ी जनहिन भी हो सकती है। इसका जिम्मेदार कौन होगा ऐसे हालात शहर में कई जगह आए दिन देखने को मिलते हैं। जिन स्थानों पर लाइन लीकेज होते हैं वहां पर पहले ही चौंबर बनाना चाहिए जिससे लाइन लेकर होने पर सीसी को ना खोदना पड़े चौंबर होने से लीकेज होने पर सड़कों को इस तरह से खोदना भी नहीं पढ़े आज हालात हैं कि अधिकांश सड़कों को पानी सप्लाई लाइन में लीकेज होने के करण खोदना पड़ता है और कई दिनों तक इसको ऐसा ही छोड़ दिया जाता है। इसकी वजह से लाखों की लागत से तैयार हुई सड़क गढ़ों गढ़ों में परिवर्तित हो रही है। दूसरी ओर या लापरवाही किसी दिन नगर पालिका प्रशासन को महंगी ना पड़ जाए वही शिकायतों के बाद भी नगर पालिका प्रशासन के अधिकारी और कर्मचारियों के द्वारा तो ध्यान दिया ही नहीं दिया रहा। जनता के पैसे का दोहन किस तरह से किया जा रहा है।

रात के अंधेरे में खनन माफिया सक्रिय, शासकीय भूमियों को खंडर में कर रहे तब्दील

पंचायतों की मिलीभगत से खुलेआम चल रहा अवैध उत्खनन जिम्मेदार मौन, पूर्व में भी मीडिया द्वारा प्रशासन का ध्यान आकर्षित, कार्रवाही के नाम पर खाना पूर्ती

सिरोंज। नगर से चार किलोमीटर दूर रात के अंधेरे में परसोरा - बगरोदा कि पठार पर जमकर मुरम कोपरा का अवैध रूप से उत्खनन किया जा रहा है। डंपरों के जरिये नगर से 2 किलोमीटर दूर निजी कलोनियों में मुरम डाली जा रही है और प्रशासन चुपचाप हाथ पर हाथ रख कर बैठा हुआ है। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है, की माफियाओं पर नकेल कसने में प्रशासनिक अमला नाकाम साबित हो रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उत्खनन माफिया द्वारा क्षेत्र के ग्रामीणों को धमकाया जाता है जिससे वे चुप रहते हैं। इस तरह रात में डंपरों से मुरम का परिवहन किया जा रहा है। खनन माफिया बड़े पैमाने पर निजी कॉलोनियों में मुरम डाल रहे हैं। क्षेत्र में खुलेआम खनन कारोबारियों द्वारा खुदाई की जा रही है। कारोबारी न तो नियमों का पालन कर रहे हैं और न ही सरकार को रॉयल्टी चुका रहे हैं। जिससे सरकार के राजस्व को प्रतिदिन लाखों रुपए की चपत लग रही है। ज्ञात हो की स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनावी प्रक्रिया में व्यस्त थे, तो वही अब चुनावी मतगणना को लेकर जरूरी व्यवस्थाओं में लगे हुए हैं। इसी का फायदा उठाकर उत्खनन माफिया अवैध कार्य को अंजाम दे रहे हैं। हालांकि, कुछ नेता प्रशासन पर यह आरोप जरूर लगा रहे हैं कि कहीं-कहीं तो अधिकारी माफिया से सांठगांठ कर उन्हें जानबूझकर मौका दे रहे हैं। जिसके कारण इन पहाड़ियों को खनन माफिया खंडर बनाते चले जा रहे हैं।

अन्य जगहों पर भी अवैध उत्खनन जारी - प्रशासन की नाक के नीचे वर्तमान समय में नसिया जी मंदिर के ऊपर देवपुर की घाटी के नाम से प्रसिद्ध पहाड़ी पर इन दिनों बिना रोकटोक के अवैध खनन हो रहा है। यहां पर जेसीबी मशीन द्वारा बिना किसी नियम का पालन किए उत्खनन कारोबारी अधिकारियों के साथ सांठगांठ करके खुदाई कर रहे हैं। वहीं बगरोदा-परसौरा की पठार पर भी बेरोकटोक खुदाई करके प्रतिदिन डंपरों व ट्रैक्टर- ट्रॉलियों से मुरम निकालकर बिना रॉयल्टी चुकाए ले जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि हम लिखित शिकायत करते हैं उत्खनन माफिया हमारे घर आकर हमें धमकाते हैं इसलिए हम शिकायत करने से डरने लगे हैं। इसी का फायदा उठाकर यह माफिया रात के अंधेरे में शासन को लाखों रुपए की हानि पहुंचा रहे हैं। वही बगरोदा के ग्रामीणों का कहना है कि कई बार अधिकारियों को शिकायतें की जा चुकी हैं लेकिन फिर भी क्षेत्र में अवैध खनन का कार्य बंद नहीं हो रहा है। पहले तो खनन कारोबारी तालाबों व नदियों में से चोरी छिपे रात में खुदाई कर मिट्टी मुरम व रेत ले जाते थे लेकिन अब यह इतने बेखौफ हो चुके हैं कि दिन के उजाले में ही यह कार्य खुलेआम कर रहे हैं। फिर भी कार्रवाई नहीं होना अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है।

ग्राम पंचायतों ने क्यों नहीं की शिकायत - इतने बड़े स्तर पर रोजाना सैकड़ों ट्रैक्टर ट्राली के द्वारा जेसीबी के माध्यम से जिस जगह पर मुरम का अवैध उत्खनन हो रहा है वह जमीन ग्राम पंचायत परसौरा की है और रास्ता ग्राम पंचायत बगरोदा का लगातार उत्खनन करने के कारण सारा रास्ता खराब हो चुका है किसानों ने कई बार ग्राम पंचायत प्रमुखों से शिकायत भी की इसके बाद भी उत्खनन ना रूकने से ऐसा लग रहा है कि पंचायतों की भी इसमें मिलीभगत है। जिसकी वजह से खनन माफिया के हौसले बुलंद हो रहे हैं और प्रशासन कार्रवाई करने से बच रहा है।

इनका कहना है -

नायब तहसीलदार को भेज कर हम दिखवाते हैं, यदि उत्खनन हो रहा है तो कठोर कार्रवाई की जाएगी।

हर्षल चौधरी एसडीएम सिरोंज

स्कूल के गेट में ताला लटका मिला प्राथमिक शाला महावन, छात्र छात्राएं कर रहे स्कूल खुलने का इंतजार

हम बात कर रहे हैं विदिशा जिले की लटेरी विकासखंड के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक शाला महावन सैटेलाइट शाला सपेराटपरा और आड़ापानी की यह तीनों विद्यालय शाला समय में बंद पाए गए होने को यहां पर लगभग 7 शिक्षक पदस्थ हैं लेकिन शिक्षकों की लापरवाही कहें अथवा मनमानी की एक भी शिक्षक शाला में उपस्थित नहीं पाया गया हालांकि बच्चे जरूर स्कूल का ताला खुलने और शिक्षकों का इंतजार करते नजर आए महावन प्राथमिक शाला में पढ़ने वाले पांचवी कक्षा के छात्र भूरा से बात की गई तो उसे ना तो बोल(गेंद) की स्पेलिंग पता है और ना ही पांच का पहाड़ा आता शिक्षकों की अपने कार्य के प्रति लगन और कार्य के प्रति निष्ठा देखिए की पांचवी क्लास के बच्चे को 4 साल में पांच का पहाड़ा और बाल की स्पेलिंग भी नहीं सिखा पाए यही हाल सैटेलाइट शाला सपेरा टपरा में मिला यहां कक्षा 2 में पढ़ने वाले छात्र को भी एबीसीडी का पता नहीं बच्चों ने बताया कि प्रतिवर्ष लाखों रुपए इन शिक्षकों के प्रशिक्षण पर खर्च करने के बाद भी नतीजे के नाम पर बच्चों का शैक्षणिक स्तर जीरो ही नजर आ रहा है लटेरी विकासखंड में यदि शिक्षा व्यवस्था की बात की जाए तो लगभग 791 शिक्षक और लगभग 300 अतिथि शिक्षक शालाओं में पदस्थ है और लगभग 3~करोड़ 50 लाख प्रति माह उनके

वेतन पर सरकार खर्च करती है लेकिन नतीजे के नाम पर बच्चों को सिर्फ कागजों में ही शिक्षित किया जा रहा है ब्लॉक शिक्षा अधिकारी से जब इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने तमाम तरह की मॉनिटरिंग की बात कही लेकिन मीडिया के अवलोकन में इन तीनों विद्यालय में मॉनिटरिंग जैसी कहीं कोई चीज नजर ही नहीं आई समय पर शालाओं का न खुलना और बच्चों के शैक्षणिक स्तर निम्न होना मॉनिटरिंग एजेंसियों पर भी निशाना खड़ा करता है निरीक्षण के नाम पर मॉनिटरिंग एजेंसियां सिर्फ अपने खुद के आंकड़े बढ़ाने में लगी हुई है हालांकि हम यह नहीं कहना चाहते कि सभी विद्यालयों की स्थिति इस तरह की होगी लेकिन तीन विद्यालय का अवलोकन करने पर इस तरह की स्थितियों का मिलना कहीं ना कहीं चिंताजनक नजर आता है

आईआईएफएल समस्ता बॉन्ड्स की मदद से 1,000 करोड़ रु. तक की पूंजी जुटाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी नॉन-बैंकिंग माईक्रोफाईनेंस कंपनियों में से एक, आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस सिक्योर्ड बॉन्ड्स के अपने पहले पब्लिक इश्यू की मदद से 1,000 करोड़ रु. तक की पूंजी जुटाएगा, जिसका उद्देश्य व्यावसायिक वृद्धि और पूंजी निर्माण के लिए किया जाएगा। ये बॉन्ड अत्यधिक सुरक्षा के साथ 10.50 प्रतिशत तक का रिटर्न प्रदान करेंगे। ये इश्यू सोमवार, 4 दिसंबर, 2023 से मिलना शुरू होंगे, और शुक्रवार, 15 दिसंबर, 2023 तक मिलेंगे। आईआईएफएल समस्ता आईआईएफएल फाईनेंस का अंग है, जो भारत के सबसे बड़े रिटेल केंद्रित एनबीएफसी समूहों में से एक है, जिसके पास 73,066 करोड़ रु. के लोन एस्सेट अंडर मैनेजमेंट हैं।

आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस के एमडी एवं सीईओ, श्री वेंकटेश एन ने कहा, ''आईआईएफएल समस्ता अपनी 1,500 शाखाओं के द्वारा पूरे भारत में मजबूत स्थिति में मौजूद है। यह सेवाओं की कमी वाले और उनसे वंचित लोगों की क्रेडिट की जरूरतों को पूरा करता है, जो मुख्यतः अपने विस्तृत पोर्टफोलियो के साथ वंचित पृष्ठभूमि की महिला उद्यमियों पर केंद्रित है। इन बॉन्ड्स की मदद से एकत्रित किए गए फंड का उपयोग इन ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने और व्यावसायिक वृद्धि लाने के लिए किया जाएगा।''

आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस 200 करोड़ रु. के बॉन्ड्स जारी करेगा, और उसके पास 800 करोड़ रु. तक के ओवर-सब्सक्रिप्शन (कुल मिलाकर 1,000 करोड़ रु.) बनाए रखने के लिए ग्रीन-शू का विकल्प भी होगा। आईआईएफएल समस्ता बॉन्ड 60 महीने की अवधि के लिए 10.50 प्रतिशत प्रतिवर्ष की सर्वाधिक कूपन दर प्रदान करते हैं। ये एनसीडी 24 महीने, 36 महीने और 60 महीने की अवधि के लिए उपलब्ध हैं। ब्याज के भुगतान की फ्रीक्वेंसी हर सीरीज़ के लिए मासिक और वार्षिक आधार पर उपलब्ध होगी।

इसकी क्रेडिट रेटिंग क्रिसिल रेटिंग्स लिमिटेड द्वारा क्रिसिल एए-/पॉज़िटिव और एक्विटी रेटिंग्स एंड रिसर्च लिमिटेड द्वारा एक्विटी एए। स्टेबल है, जिससे प्रदर्शित होता है कि ये इंस्ट्रूमेंट अत्यधिक सुरक्षित माने जाते हैं, और बहुत कम क्रेडिट रिस्क के साथ वित्तीय दायित्वों की समय पर सर्विसिंग प्रदान करते हैं। आईआईएफएल समस्ता को इस माह क्रिसिल द्वारा 'स्टेबल' से 'पॉज़िटिव' रेटिंग में अपग्रेड किया गया है। आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस उन महिलाओं को किफायती और अभिनव वित्तीय उत्पाद प्रदान करता है, जो सदस्यों के रूप में पंजीकृत होती हैं, और समाज के वंचित वर्गों से संयुक्त दायित्व समूह में नियोजित होती हैं। इनमें भारत के ग्रामीण, अर्द्धशहरी और शहरी इलाकों से किसान, कृषि मजदूर, सब्जी और फल विक्रेता, कपड़ा व्यापारी, दर्जी, शिल्पकार, और गृहणियाँ एवं औद्योगिक मजदूर आते हैं। आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस के पास सितंबर, 2023 के अंत में 12,196 करोड़ रु. के लोन एस्सेट अंडर मैनेजमेंट थे, और वित्तवर्ष 2024 के पहले छः महीनों में इसने 233 करोड़ रु. का लाभ दर्ज किया है। आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस के पास पूरे देश में 1,485 शाखाओं का विस्तृत नेटवर्क है, जिसमें 14,286 कर्मचारी काम करते हैं। आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस ने पिछले सालों में लगातार एनपीए को कम बनाकर रखा है, और यह अच्छी क्वालिटी एस्सेट पर ध्यान केंद्रित करता रहा है।

फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री भोपाल एवं चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री ऑफ स्मोलेंस्क रीजन स्मोलेन्सकी, रूस के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर

भोपाल। फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री और रूस के स्मोलेंस्क क्षेत्र के चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री ने 01 दिसम्बर 2023 को एक करार पर हस्ताक्षर किए। इस करार का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूत करना और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देना है। इसके अन्तर्गत व्यापार] निवेश] प्रौद्योगिकी विनिमय सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को सुविधाजनक बनाना है। दोनों चैंबर व्यापार के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेंगे और व्यापार प्रतिनिधि मंडलों] प्रदर्शनियों] व्यापार मेलों के माध्यम से निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने में सहयोग करेंगे।

यह एमओयू भारत के मध्यप्रदेश एवं रूस के स्मोलेंस्क क्षेत्र के बीच राजनयिक एवं आर्थिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. आर.एस.गोस्वामी और स्मोलेंस्क चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के अध्यक्ष आर्चीपेंकोव व्लादिमीर ने अपने संबंधित चैंबरों का प्रतिनिधित्व करते हुए संभावनाओं के बारे में आशा व्यक्त की कि यह एमओयू मध्यप्रदेश और स्मोलेंस्क क्षेत्र के व्यावसायों] उद्यमियों और नागरिकों के लिए नवीन द्वार खोलेगा। इस एमओयू के हस्ताक्षर अवसर पर स्मोलेंस्क-सीसीआई से श्री अलेक्जेंडर व्लादिमीरोविच] एवगेनी जखरेंकोव] लारिसा रूसाकोवा एवं प्रभाशुं श्रोती तथा फेडरशन से दीपक शर्मा, हिमांशु खरे, सी.बी. मालपानी और प्रवीण आचार्य ने भाग लिया। एमओयू से मध्यप्रदेश एवं स्मोलेंस्क क्षेत्र के बीच एक मजबूत आर्थिक साझेदारी की नींव मजबूत होगी तथा दोनों ही क्षेत्रों के आर्थिक विकास और विभिन्न अवसरों के द्वार खुलेंगे।

रियल एस्टेट सेक्टर में उछाल, जुलाई-सितंबर में मकानों की बिक्री 22 प्रतिशत

नईदिल्ली एजेंसी। कोरोना काल में सबसे ज्यादा असर रियल एस्टेट सेक्टर पर पड़ा था। रियल एस्टेट सेक्टर ध्वस्त हो गया था। अब देश में रियल एस्टेट सेक्टर ने रफ्तार पकड़ी है। मकानों और प्रॉपर्टी की बिक्री में तेजी आई है। देश के टॉप 8 हाउसिंग बाज़ारों में मजबूत वृद्धि जारी है। जुलाई-सितम्बर 2023 में बिक्री 22 प्रतिशत और नई आपूर्ति 17 प्रतिशत बढ़ी है। रियल एस्टेट डिजिटल मंच प्रॉपटाइगर डॉट कॉम ने 'रियल इनसाइट रेजिडेंशियल-जुलाई-सितंबर 2023' रिपोर्ट जारी की है। बता दें कि प्रॉपटाइगर डॉट कॉम एक प्रमुख डिजिटल रियल एस्टेट ब्रोकरेज कंपनी है, जिसका स्वामित्व आरईए इंडिया के अधीन है। यह हाउसिंग डॉट कॉम और मकान डॉट कॉम की पैरेंट कंपनी भी है। रिपोर्ट के मुताबिक, आवासीय इकाइयों की बिक्री

पिछले साल की तीसरी तिमाही के 83,220 यूनिट्स से बढ़कर इस साल की तीसरी तिमाही में 1,01,220 यूनिट्स पर पहुंच गई है। चेन्नई को छोड़कर सभी शहरों में बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज हुई और कुल बिक्री में मुम्बई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे की हिस्सेदारी आधे के करीब है। यह तिमाही रिपोर्ट आठ बड़े हाउसिंग बाज़ारों पर आधारित है, जिनमें दिल्ली-एनसीआर, एमएमआर, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद शामिल हैं। आरईए इंडिया के सीएफओ और प्रॉपटाइगर डॉट कॉम के बिजनेस हेड विकास वधावन के मुताबिक, शीर्ष आठ शहरों में हाउसिंग मार्केट्स में लगातार तेजी आ रही है। यह मजबूत मांग उपभोक्ताओं के सकारात्मक रुझान के कारण है।

खूब बिक रहे मकान

प्रॉपटाइगर डॉट कॉम के डेटा के मुताबिक, अहमदाबाद में घरों की बिक्री की संख्या वार्षिक 31 फीसदी इजाफे के साथ 7,880 से बढ़कर 10,300 पर पहुंच गई है। बेंगलुरु में बिक्री में 60 प्रतिशत की अधिकतम वृद्धि दर्ज हुई है। इसके साथ यूनिट्स की संख्या 7,890 से बढ़कर 12,590 हो गई है। दिल्ली-एनसीआर में बिक्री 44 प्रतिशत थी। यूनिट्स की संख्या 5,430 से बढ़कर 7,800 पर दर्ज हुई है।

हैदराबाद ने बिक्री में 34 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जहां यूनिट्स की संख्या पिछले 10,570 की तुलना में 14,190 पर पहुंच गई है। कोलकाता में बिक्री में 43 प्रतिशत वृद्धि के साथ यूनिट्स की संख्या 2,530 से बढ़कर 3,610 पर दर्ज हुई है। मुंबई में सामान्य 5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इसमें यूनिट्स की संख्या 28,800 से 30,300 पर पहुंच गई है। बिक्री के मोर्चे पर पुणे में यूनिट्स की संख्या पिछले 15,700 पर 18 फीसदी वृद्धि के साथ 18,560 पर दर्ज हुई है। चेन्नई एकमात्र शहर रहा जहां बिक्री में 12 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है।

परिवार ने दिए ताने तो इस शख्स ने वड़ा पाव बेचकर खड़ी कर दी करोड़ों की कंपनी, आज देशभर में हैं 350 आउटलेट्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं जो लोगों के ताने मारे जाने पर निराश नहीं होते हैं। वह इसका जवाब बड़ी सफलता हासिल करके देते हैं। कुछ ऐसा ही कारनामा कर दिखाया है वेंकटेश अय्यर ने। वेंकटेश ने परिवार के तानों को ही अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया और आज करोड़ों रुपये की कंपनी के मालिक हैं। आज उनकी कंपनी का कारोबार देश ही नहीं विदेशों तक में फैला हुआ है। वेंकटेश के बिजनेस की सफलता को देखते हुए उनकी कामयाबी पर हावर्ड बिजनेस स्कूल, आईएमडी स्विट्जरलैंड और आईएसबी हैदराबाद जैसे संस्थानों ने केस स्टडी की है। एक मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाले वेंकटेश ने इतनी बड़ी सफलता हासिल करके एक मिसाल कायम की है। वह लगातार सफलता की नई ऊंचाईयों को छू रहे हैं। आइए आपको बताते हैं वेंकटेश ने इतनी सफलता कैसे हासिल की।

वेंकटेश का जन्म मध्यमवर्गीय तमिल ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वेंकटेश को बचपन में कहा जाता था कि अगर अच्छे से नहीं पढ़ोगे तो नौकरी नहीं मिलेगी और वड़ा पाव बेचना पड़ेगा। लेकिन वेंकटेश के परिवार वालों ने यह कभी नहीं सोचा था कि वड़ा पाव बेचकर ही वो इतनी सफलता हासिल कर लेंगे। वेंकटेश ने इसी वड़ा पाव से 50 करोड़ रुपये का फूड बिजनेस खड़ा किया है। वेंकटेश इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति से प्रभावित हैं। वो जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई में भी कदम बढ़ा रहे हैं। वेंकटेश के मुताबिक, कंपनी की सफलता के अलावा उनका सपना है कि स्कूल छोड़ चुके दसवीं पास छात्रों को कंपनी में काम करने का मौका दिया जाए। इनकी इच्छा वड़ा पाव को वैश्विक बनाने की है।

आज से करीब 14 साल पहले छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल जो उस समय वीटी स्टेशन हुआ करता था। वेंकटेश ने मैक्डोनल्ड के 40 फीट लंबे बैनर को देखा था। इस दौरान उनके मन में सवाल आया कि जब विदेशी बर्गर यहां इतना फेमस हो सकता है तो फिर देसी वड़ा पाव क्यों नहीं। इसके बाद उन्होंने इसका बिजनेस करने की ठानी। इसके बाद वेंकटेश ने साल 2004 में गोली वड़ा पाव के नाम से अपनी कंपनी की शुरुआत कर दी थी। वेंकटेश ने वड़ा पाव बनाने के लिए यह कंपनी की शुरुआत की थी।

देशभर में 350 आउटलेट्स

गोली वड़ा पाव कंपनी के संस्थापक वेंकटेश अय्यर की इस कंपनी के देशभर में आज 350 आउटलेट्स हैं। उन्होंने ठाणें में अपना पहला स्टोर ओपन किया था। वेंकटेश के मुताबिक, सभी अपने घरों में इडली, डोसा और पोंगल खाते हैं। लेकिन मुंबई में उनके लिए वड़ा पाव फिल्मों में एक 'आइटम नंबर' के जैसा था। कॉलेज पार्टियों से लेकर क्रिकेट मैच तक, वड़ा पाव सभी आयोजनों में शामिल रहता था। इसलिए वेकंटेश ने वड़ा पाव को ही अपने बिज़नेस के रुप में चुना था।

16 के आईपीओ पर टूट पड़े निवेशक, दूसरे दिन 54 गुना सब्सक्रिप्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। नेट एवन्यू टेक्नोलॉजीज आईपीओ पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए ग्रे मार्केट से अच्छी खबर है। कंपनी का आईपीओ शानदार प्रदर्शन कर रहा है। निवेशकों की तरफ से भी इस आईपीओ को अच्छा रिस्पॉस मिला है। दूसरे दिन 54 गुना से अधिक सब्सक्राइब किया जा चुका है। बता दें, कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 16 रुपये से 18 रुपये प्रति शेयर है। नेट एवन्यू टेक्नोलॉजीज आईपीओ 1 दिसंबर को ओपन हुआ था। निवेशकों के पास 4 दिसंबर यानी सोमवार तक इस पर दांव लगाने का मौका है। पहले दिन एसएमई आईपीओ 14 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। लेकिन दूसरे दिन 54 गुना सब्सक्रिप्शन को क्रॉस कर गया। बता दें, 2 दिसंबर को रिटेल सेक्शन में 89.41 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। कंपनी ने आईपीओ के लिए 8000 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 1,44,000 रुपये का दांव लगाना पड़ रहा है। रिटेल सेक्शन में कोई भी निवेशक अधिक से अधिक एक ही लॉट पर दांव लगा सकता है। बता दें, नेट एवन्यू टेक्नोलॉजीज आईपीओ ने एंकर निवेशकों के जरिए 2.91 करोड़ रुपये जुटाए थे। टॉप शेयर ब्रोकर की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ 7 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जिस वजह से शेयर बाजार में कंपनी की लिस्टिंग 38 प्रतिशत के प्रीमियम पर संभव है। इस आईपीओ का साइज 10.25 करोड़ रुपये का है। जिसमें 56.96 लाख शेयर फ्रेश इश्यू के जरिए जारी करेंगे। दांव लगाने वाले निवेशकों को 7 दिसंबर को पता चलेगा कि उन्हे शेयर अलॉट किए गए हैं या नहीं। बता दें, एनएसई में कंपनी की लिस्टिंग 12 दिसंबर 2023 को संभव है।

कोविड के दौरान ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने में घपला, ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के तहत दर्ज किया केस

नईदिल्ली एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोविड-19 महामारी के दौरान अस्पतालों में ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करने में कथित धोखाधड़ी को लेकर धन शोधन का एक मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को छह करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोप में 24 नवंबर को मेसर्स हाईवे कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठेकेदार रोमिल छेड़ा को गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि ईडी ने धोखाधड़ी के संबंध में शुक्रवार को धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया। उन्होंने बताया कि छेड़ा को बीएमसी संचालित नौ अस्पतालों और दो जंबो कोविड-19 केंद्रों में ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करने का ठेका दिया गया जबकि उसके पास इस तरह के काम को अंजाम देने का कथित तौर पर पूर्व अनुभव नहीं था। ईओडब्ल्यू के अनुसार, भायखला में नगरपालिका कार्यशाला और नगर निगम की ओर से संचालित अस्पतालों वीएन देसाई, डॉ बाबासाहेब अंबेडकर, जीटीबी, कस्तूरबा, बीवाईएल नायर, आरएन कूपर, केबी भाभा, केईएम और एटीएमजी सायन के परिसर में ऑक्सीजन संयंत्रों में अप्रैल 2021 और जनवरी 2022 के बीच धोखाधड़ी हुई। अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि संबंधित निकाय अधिकारियों ने अनुबंध देते समय पात्रता नियमों की अनदेखी की और निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित नहीं किए गए, जिससे बीएमसी को छह करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 597.93 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली एजेंसी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 597.93 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल मुद्रा भंडार 5.07 अरब डॉलर बढ़कर 595.39 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 24 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.14 अरब डॉलर बढ़कर 528.53 अरब डॉलर हो गया।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंचा था लेकिन पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम से पैदा हुए दबाव के बीच आरबीआई ने रुपये की विनिमय दर में गिरावट को रोकने के लिए इस पूंजी भंडार का उपयोग किया था जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। गोल्ड कलेक्शन का मूल्य 29.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.34 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार 8.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.22 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 1.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.85 अरब डॉलर हो गया।

बैंकों ने बना दिया नौकरियां देने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भर्तियों के मामले में भारतीय बैंकों के लिए वित्त वर्ष 2023 एक दशक में सबसे शानदार रहा। यह ट्रेंड 2024 में जारी रहने की उम्मीद जताई जा रही है। बैंकिंग क्षेत्र के टॉप अधिकारियों को कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोतरी की उम्मीद है। इकॉनमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक उम्मीद है कि यह वृद्धि पिछले वर्ष के रेकॉर्ड को पार कर सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023 में पब्लिक और प्राइवेट क्षेत्र के बैंकों ने सालाना आधार पर रेकॉर्ड 123,000 कर्मचारियों को नौकरी दी। पिछले 10 साल में यह सबसे अधिक है। वित्त वर्ष 2023 में कर्मचारियों की संख्या वित्त वर्ष 2022 की तुलना में 61 प्रतिशत बढ़ी। इसमें कुल कर्मचारियों की संख्या सालाना आधार पर 7.4 प्रतिशत बढ़कर 1.76 मिलियन हो गई।

वित्त वर्ष 2011 में इस क्षेत्र में अब तक की सबसे अधिक 1,25,000 और वित्त वर्ष 2012 में 1,24,000 भर्तियां की गई थीं। स्टाफिंग फर्म एक्सफेनो की ओर से ईटी के लिए किए गए एक स्टडी के अनुसार, टॉप 15 प्राइवेट बैंकों ने 2023 के प्रत्येक वर्किंग डे में औसतन 350 कर्मचारियों को जोड़ा। एक्सफेनो के सह-संस्थापक कमल कारंत का कहना है कि अगर हम रिप्लेसमेंट हायरिंग को जोड़ दें तो यह संख्या बढ़कर करीब 600 हो जाती है। स्टडी के मुताबिक, इनमें एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, बंधन बैंक और एयू बैंक शामिल हैं। बैंकिंग क्षेत्र के टॉप अधिकारियों का कहना है कि इस साल कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोतरी वित्त वर्ष 2011 के रेकॉर्ड लेवल को पार कर सकती है।

एचडीएफसी बैंक के चीफ इकनॉमिस्ट अभीक बरुआ का कहना है कि रिटेल लोन में बढ़ोतरी, हाउसिंग डिमांड और इकॉनमी में तेज वृद्धि से बैंकों में मैनपावर की भारी मांग हो रही है। एक्सिस बैंक के एचआर हेड राजकमल वेम्पति का कहना है कि हर कोई उभरते और ग्रामीण भारत में ग्रोथ के मौकों का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। अब बैंक बड़े पैमाने पर अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच रहे हैं। ऐसे में कर्मचारियों की काफी डिमांड है। उन्होंने कहा कि एक्सिस बैंक इस वित्त वर्ष में अपने कर्मचारियों की संख्या में 7-8 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है।

एक्सफेनो के आंकड़ों के अनुसार एचडीएफसी, आईसीआईसीआई और बंधन बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कुल मिलाकर करीब 40,000 कर्मचारियों की नियुक्ति की है।

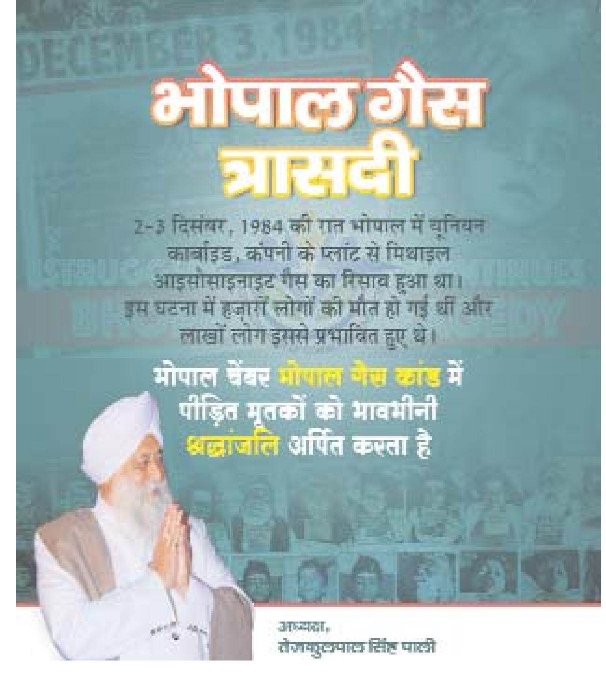

अप्रैल से अब तक सरकारी खजाने में आए 13.32 लाख करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू गतिविधियों में तेजी और त्योहारी सीजन के दौरान खरीदारी बढ़ने से सरकार को इस साल नवंबर में जीएसटी के रूप में एक साल पहले की तुलना में 15 फीसदी अधिक कमाई हुई है।जीएसटी संग्रह की यह रफ्तार चालू वित्त वर्ष के किसी भी महीने में सबसे अधिक है। वित्त मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष यानी 2023-24 में नवंबर तक कुल जीएसटी संग्रह 13,32,440 करोड़ रुपये रहा है।इस तरह, अप्रैल से लेकर अब तक सरकार को हर महीने जीएसटी के रूप औसतन 1.66 लाख करोड़ रुपये की कमाई हुई है।यह आंकड़ा 2022-23 की समान अवधि के 1.49 लाख करोड़ के औसत जीएसटी संग्रह से 11.9 फीसदी अधिक है।2023-24 में लगातार छठे महीने कर संग्रह 1.60 लाख करोड़ से अधिक है।

डेलॉय इंडिया पार्टनर एमएस मणि ने कहा, चालू वित्त वर्ष में औसतन 1.66 लाख करोड़ का संग्रह उत्पादन व खपत में वृद्धि को दर्शाता है। यह अर्थव्यवस्था की स्थिति का अच्छा बैरोमीटर है। कर अधिकारियों के टैक्स चोरी रोकने के प्रयासों और अनुपालन आसान बनाने से भी संग्रह बढ़ा है।

आंकड़ों के मुताबिक, यूपी को जीएसटी से नवंबर में 8,973 करोड़ रुपये की कमाई हुई है।हरियाणा में जीएसटी संग्रह 9,732 करोड़, दिल्ली में 5,347 करोड़, मध्य प्रदेश में 3,646, पंजाब 2,265 करोड़, उत्तराखंड में 1,601 करोड़, हिमाचल प्रदेश में 802 करोड़, जम्मू-कश्मीर में 469 करोड़ और चंडीगढ़ में 210 करोड़ रुपये रहा।महाराष्ट्र में संग्रह सर्वाधिक 25,585 करोड़ रुपये रहा।

दिवाली पर ट्रकों की आवाजाही कम रहने से देश में डीजल की बिक्री नवंबर में एक साल पहले के 73.3 लाख टन से 7.5 फीसदी घटकर 67.8 लाख टन रह गई। दिसंबर में मांग काफी हद तक पिछले स्तर पर पहुंच जाएगी। वहीं, त्योहारों में निजी वाहनों की आवाजाही बढ़ने से पेट्रोल खपत 7.5 फीसदी बढ़कर 28.6 लाख टन पहुंच गई। विमान ईंधन (एटीएफ) की बिक्री सालाना आधार पर 6.1 फीसदी बढ़कर 6.20 लाख टन के स्तर पर पहुंच गई। रसोई गैस की बिक्री एक साल पहले से 0.9 फीसदी घटकर 25.7 लाख टन रह गई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 नवंबर को समाप्त हफ्ते में 2.53 अरब डॉलर बढ़कर 597.93 अरब डॉलर पहुंच गया। इससे पिछले हफ्ते में यह 5.07 अरब डॉलर बढ़ा था। 24 नवंबर वाले हफ्ते में विदेशी मुद्रा संपत्ति 2.14 अरब डॉलर बढ़ गई।स्वर्ण भंडार 29.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.3 अरब डॉलर पहुंच गया।

बिजली खपत 8.5 प्रतिशत बढ़कर 119.6 अरब यूनिट

देश में बिजली खपत नवंबर में करीब 8.5 फीसदी बढ़कर 119.64 अरब यूनिट पहुंच गई। त्योहारों और आर्थिक गतिविधियां बढ़ने से बिजली की मांग बढ़ी है। बिजली खपत नवंबर, 2022 में 110.25 अरब यूनिट और नवंबर, 2021 में 99.32 अरब यूनिट रही थी।

ब्रजेश वट बने सहायक आयकर आयुक्त

छिंदवाड़ा। ग्राम रोहना कला जिला छिंदवाड़ा निवासी

ब्रजेश वट सहा. आयकर आयुक्त बनाये गए. आईआरएस अवार्ड प्राप्त होने वाले वे ग्राम रोहना कला के प्रथम अधिकारी हैं. ब्रजेश वट मेहरा /डेहरिया समाज के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं, यह छिंदवाड़ा डेहरिया समाज के लिए अति खुशी का विषय है. द्य इस अवसर पर जिला अध्यक्ष छिंदवाड़ा दयानन्द डेहरिया, शिवनारायण डेहरिया, रामकुमार डेहरिया राजाराम डेहरिया, सुनीता बामनिया, जयविंद डेहरिया अजय डेहरिया, डीपी डेहरिया टी पी डेहरिया, एवं सम्पूर्ण डेहरिया समाज छिंदवाड़ा की ओर से ब्रजेश वट को हार्दिक बधाई और शुभकामनायें. दी गई ।

शाला प्रांगण में शराब पीकर आने पर एक प्राथमिक शिक्षक निलंबित

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर मनोज पुष्प द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस.बघेल द्वारा शाला प्रांगण में सोशल मीडिया के वाट्सएप ग्रुप में नशे में धुत्त होकर गिरे होने के वायरल वीडियो की जांच के बाद जिले के विकासखंड चौरई के ग्राम धौलपुर की शासकीय प्राथमिक शाला के प्राथमिक शिक्षक श्रीपाल धुर्वे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है । निलंबन अवधि में प्राथमिक शिक्षक श्री धुर्वे का मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय चौरई रहेगा तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी । जिला शिक्षा अधिकारी बघेल ने बताया कि सोशल मीडिया के वाट्सएप ग्रुप में नशे में धुत्त होकर गिरे होने के वायरल वीडियो की जानकारी मिलने पर 3 सदस्यीय जांच दल से इस प्रकरण की जांच कराई गई । जांच प्रतिवेदन में जांच दल द्वारा उल्लेखित किया गया है कि निरीक्षण के दौरान शाला दोपहर 2:30 बजे बंद पाई गई, किन्तु ग्रामीणों और विद्यार्थियों के बयान के अनुसार प्राथमिक शिक्षक श्री धुर्वे 2 दिसंबर 2023 को प्रातः 11:45 बजे शराब के नशे में गिरते-पड़ते शाला प्रांगण में उपस्थित हुये थे और शराब का अधिक सेवन करने के कारण लगभग दोपहर एक बजे स्कूल बंद करके चले गये। श्री धुर्वे अधिकांश दिन शाला में शराब पीकर आते है और उनके द्वारा अध्यापन कार्य भी सही तरीके से नहीं कराया जाता है । शराब के नशे में शाला में उपस्थित होना शासकीय सेवक द्वारा किया गया अवांछनीय व अशोभनीय कृत्य है तथा प्राथमिक शिक्षक श्री धुर्वे द्वारा शासकीय सेवक के लिये निर्धारित संनिष्ठा व कर्तव्यपरायणता के प्रतिकूल होकर कदाचरण की श्रेणी में आने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है ।

पेंच परियोजना....

खराब नहर की नहीं हो रही सफाई

समय पर विभाग ने नहीं दिया ध्यान

चौरई। पेंच परियोजना की मुख्य लेफ्ट बैंक केनाल में अब तक पानी नहीं छोड़ा गया है। जबकि इससे जुड़ी सिवनी ब्रांच केनाल दरक गई है। 44 वें किलोमीटर पर परतापुर व लोनिया के बीच नहर की लेफ्ट बैंक का करीब 120 मीटर लंबाई का हिस्सा घंस गया है। नअर की चौड़ाई करीब 20 मीटर चौड़ी नहर में एक तरफ के बैंक की चौड़ाई 6 मीटर है। जबकि ऊंचाई 10 मीटर तक है। बड़ी मात्रा में मिट्टी फिलिंग कर बनाई गई उक्त नहर में अब फिर से फिलिंग की जरूरत होगी। बैंक घसने की वजह दो दिनों जारी मामूली बारिश को माना जा रहा है। पेंच के अधिकारियों के मुताबिक मिट्टी चिकनी होने के कारण पानी के बाद धूप पड़ने पर वह फिसल जाती है। अधिकारी अब पानी छोड़ने से पहले उक्त नहर की मरम्मत की तैयारियां में जुटा है।

मिट्टी घंसने से लाइनिंग टंगने की स्थिति

सिवनी ब्रांच केनाल की एक बैंक का लंबा हिस्सा धंसने से लाइनिंग के टंगने की स्थिति बनगई है। पिछले साल ही उक्त केनाल में आरसीसी लाइनिंग की गई है। कहा जा रहा है कि बैंक को फिर से तैयार किए बिना पानी छोड़ा जाता है तो लाइनिंग का हिस्सा भी धंस सकता है।

सिंचाई के दौरान छह साल से ढहते आ रही बैंक

पेंच परियोजना से जुड़े सूत्रों के मुताबिक लोनिया के पास ब्रांच केनाल की बैंक धंसने का यह पहला मौका नहीं है जब से नहर बनी है तबसे धंसते आ रही है। नहर में पानी छोड़े जाने के दौरान सीपेज से मिट्टी घुल जाती है। मिट्टी को घुलते ही बैंक घंस जाती है हर साल यहां मरम्मत की जरूरत पड़ रही है। बावजूद इसके ठोस उपाए नहीं किए जा सके है।

एसबीसी में टिका है 100 किमी लंबी नहरों का जाल

कपुर्दा के पास से निकली एसबीसी (सिवनी ब्रांच केनाल) की कुल लंबाई 45.6 किलोमीटर है।यहां से डी-टू नहर 10 किमी, डी-थ्री 39 किमी, डी-फोर 21 किमी लंबी है। जबकि डी-फोर डिस्ट्री ब्यूटर नहर से 15 किमी लंबी टेल नहर और दूसरे छोर पर 30 किमी लंबाई की सबडिस्ट्रीब्यूटरी नहर निकली है।

शाम तक पता चल जाएगा किसकी सरकार बन रही

दोपहर तक रूझान का पता चलेगा, जिला प्रशासन की चाक चौबन्द व्यवस्था

छिंदवाड़ा। विधानसभा के चुनाव परिणाम का इंतजार खत्म हुआ जिलाप्रशासन भी पूरी तरह काउंटिंग के लिए तैयार है। सुबह आपके हाथों में अखबार होगा तब तक काउंटिंग प्रारंभ हो जाएगी, एक्जिट पोल के बाद तरह तरह के गणित लगाए जा रहे हैं। छिंदवाड़ा एवं पांढुर्ना जिले में सात विधानसभा सीटें हैं सातों विधानसभा सीटों में कुल मतदाताओं की संख्या 1618363है एवं कुल मतदान 1389335 याने 85.85 प्रतिशत हुआ है। जुन्नारदेव में 189907, अमरवाड़ा में 225817, चौरई में 184060 सौंसर में 230664, छिंदवाड़ा में 182860, परासिया में 184533 वोट डाले गए हैं। कलेक्टर मनोज पुष्प, पुलिस अधीक्षक विनायक वर्मा व डीडीए जीतेन्द्र सिंह ने मीडिया को काउंटिंग की व्यवस्था दिखाई एवं अधिकारियों को मॉकडिल भी करवाई। इस बार काउंटिंग एजेंट को बैठने के लिए बेंचों की व्यवस्था की गई है। जिससे वे वोटिंग मशीन के आंकड़े बराबर देख सकें। काउंटिंग की व्यवस्था चाक चौबंद है। दोपहर तक पार्टियों का रूझान पता चल जाएगा। शाम तक सरकार किसकी बनेगी। यह भी साफ हो जावेगा। कांग्रेस एवं भाजपा दोनो ही सरकार बनाने का दावा कर रही है।

प्रदेश में पूर्ण बहुमत से बन रही कांग्रेस की सरकार: नकुलनाथ

सिद्ध सिमरिया धाम में पूजा अर्चना कर लिया जीत का आशीर्वाद

छिन्दवाड़ा। जिले के युवा सांसद नकुलनाथ अपने दो दिवसीय प्रवास पर आज छिन्दवाड़ा पहुंचे, जहां ईमलीखेड़ा हवाईपट्‌टी पर स्थानीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उनका पुष्प गुच्छ व पुष्पहार से गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। देर शाम सांसद श्री नाथ ने सिद्ध सिमरिया हनुमान मंदिर पहुंचकर संकट मोचन हनुमान जी महाराज के चरणों में माथा टेका और हनुमान जी के जयकारें लगाते हुये जीत का आशीर्वाद लिया साथ ही मंदिर परिसर में जारी हनुमान चालीसा पाठ में सम्मिलित होकर भगवान की आरती की।सिद्ध सिमरिया धाम पहुंचे सांसद नकुलनाथ ने सर्वप्रथम प्रथम पूजनीय भगवान गणेश की आराधना की तत्पश्चात उन्होंने मंदिर की गर्भगृह में विराजमान भगवान के श्रीचरणों में माथा टेका जिसके उपरांत श्री हनुमान जी महाराज की पूजा अर्चना की। मंदिर परिसर में उपस्थित मीडिया के साथियों ने प्रश्न किया कि मप्र विधानसभा चुनाव की मतगणना कल होनी है, तमाम सर्वे में अलग-अलग दावे किये जा रहे हैं जिस पर सांसद श्री नकुलनाथ ने कहा कि कांग्रेस की सरकार पूर्ण बहुमत से बनने जा रही है, उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस 150 सीट जीतकर सरकार बना रही है। प्रदेश और जिले की जागरूक जनता के प्यार और विश्वास से कांग्रेस की सरकार बन रही है, कुछ घण्टे शेष है फिर परिणाम आप सभी के सामने होंगे। इसके अलावा नकुलनाथ ने बड़ी माता मंदिर में माता रानी एवं राम मंदिर में दर्शन किया।

बलात्कार के आरोप में रेंजर सुरेन्द्र राजपूत को हुई जेल

विभाग की महिला कर्मचारी ने दर्ज कराया प्रकरण

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा रेंज में पदस्थ रहे रेंजर सुरेन्द्र राजपूत को बलात्कार के मामले में पुलिस ने महिला की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जेल भेज दिया है। देहात टीआई ने बताया कि उनके ही विभाग में पदस्थ रही महिला कर्मचारी ने लंबे समय से यौन शोषण का आरोप लगाया है जिसकी शिकायत पर रेंजर के खिलाफ धारा 376 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। और उन्हें गिरफ्तार कर पुलिस ने न्यायालय मे पेश किया। न्यायालय ने उन्हें जेल भेज दिया है। रेंजर सुरेन्द्र राजपूत वर्तमान में बैतूल जिले की रेंज में पदस्थ थे। श्री राजपूत की कार्यप्रणाली हमेशा विवादित रही है। खासकर महिलाओं को लेकर वे चर्चाओं में रहे हैं। पूर्व वनमंडल की छिंदवाड़ा वनपरिक्षेत्र में रेंजर रहते हुए भी उन्हीं के स्टॉप की महिला ने उन पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। रेंजर इस मामले को दबाने में सफल हो गए और बदनामी से बचने के लिए छिंदवाड़ा से अन्यंत्र जिले में अपना स्थानांतरण करा लिया। पुलिस के अनुसार वनविभाग की ही जिस महिला कर्मचारी ने उस पर बलात्कार का आरोप लगाया है। उसके साथ संबंध की विभाग में चर्चाएं आम हो गई थी। आखिर रेंजर को अपने काले कारनामों का फल भोगना पड़ा और उन्हें जेल की हवा खानी पड़ेगी।

आवारा कुत्तों पर नगर निगम का ध्यान नहीं

आवारा कुत्ते जनता एवं बच्चों को काट रहें

छिंदवाड़ा। शहर समेत जिले मे आवारा श्वानों का आतंक बना हुआ है। आवारा श्वानों ने सबसे अधिक हमला मासूम बच्चों पर यिका है जनवरी से अक्टूबर माह तक 1 हजार 691 लोगों को आवारा श्वान काट चुके हैं। जिन्हें जिला अस्पताल में इलाज दिया जा चुका है श्वान के काटने पर मरीज को दो से लेकर पांच डोज एंटी रैबीज लगते है। जिला अस्पताल में एंटी रैबीज के लगभग 3 हजार 500 डोज मरीजों को लग चुके।

जिला अस्पताल की ओपीडी से मिले आंकड़ों के मुताबिक आवारा श्वानों के शिकार बच्चे अधिक बने है। कई मामलों में बचचों कों घम्भीर घाव होने पर भर्ती कर ईलाज दिया जाता है। रोजाना लगभग आठ से दस मरीज डॉग बाइट से घायल होकर इलाज कराने जिला अस्पताल पहुंचते है। वहीं कुछ प्रकरणों में यह भी सामने आया है कि बाइक सवारों के पीछे आवारा श्वान दौड़ते है। कई बार बाइक सवार घबराहट में अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो जाते है। ऐसी घटनाओं में घायल होने वाले लोगों का आंकड़ा भी काफी बड़ा है। आवारा श्वानोंको पकड़कर नगरी क्षेत्र से बाहर छोड़ने की जवाबदारी नगर निगम की है, लेकिन निगम के जवाबदार अधिकारियों द्वारा इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

30 से अधिक बच्चे ऐसे जिन्हें बुरी तरह नोंचा

जिला अस्पताल के शिशु वार्ड के रिकार्ड देखे जाए तो पूरे साल में तीस से अधिक बच्चे श्वान काटने की वजह से गंभीर हालत में भर्ती होते है। श्वान के काटने से गंभीर बच्चों को रैबीज इम्योनोग्लोबिलिन इंजेक्शन दिए गए है। यह इंजेक्शन गहरे घाव में लगाए जाते है।

निजी अस्पतालों के आंकड़े दोगुने

बीते दस माह में 1 हजार 691 से अधिक लोगों को श्वान काट चुके है। यह सिर्फ जिला अस्पताल के आंकड़े है। इससे लगभग दो गुना अधिक लोग ऐसे होंगे जिन्होने निजी अस्पताल और क्लीनिकों में डॉग बाइट का इलाज करा चुके है। हालांकि इसका रिकार्ड स्वास्थ्य विभाग के पास नहीं है।

जिला अस्पताल में 5 हजार से अधिक डोज

श्वानों के हमले में घायल मरीजों को जिला अस्पताल में एंटी रैबीज वेक्सिन के 3 हजार 500 डोज लग चुके है। वहीं अस्पताल स्टॉक में अभी एंटी रैबीज वेक्सिन के 5 हजार 700 डोज उपलब्ध है। इसके अलावा गंभीर रूप से घायल पेशेंटको रैबीज इम्योनोग्लोबिलिन इंजेक्शन भी लगाए जाते है।

विश्व एड्स दिवस ...

एचआईवी एड्स होने के कारक व उसके बचाव की एवं क्षय रोग की जानकारी दी

छिंदवाड़ा। अभ्युदय लोक सेवा संस्थान टी आई प्रोजेक्ट छिंदवाड़ा द्वारा आज दिनांक 1 दिसंबर विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश एड्स नियंत्रण समिति भोपाल के सहयोग से अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन स्किल डेवलपमेंट सेन्टर मैं सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें सुनील बंदेवार द्वारा सभी का रेड रिबन लगाकर स्वागत करते हुए जिला में संचालित परियोजना का परिचय दिया इसके बाद काउंसलर इरसाद अली द्वारा एच आई वी, एड्स, यौन जनित रोग, टीबी के प्रति जागरूकता फैलाने एचआईवी एड्स होने के कारक व उसके बचाव की जानकारी व टोल फ्री नंबर 1097, रोहित साहू द्वारा क्षय रोग की जानकारी दी गई। इस दौरान छ्नस्त्रष्ट काउंसलर केशव प्रसाद झरिया द्वारा 4 कारणों पर प्रकाश डालते हुए विस्तार से जानकारी दी। ढ्ढष्टञ्जष्ट से शोमा सिंह यादव ने इसकी जांच व ञ्जक्च पर चर्चा किया । प्रोग्राम संचालक संदीप विश्वकर्मा द्वारा आह्वान करते हुए कहा कि एचआईवी की जानकारी आप अपने तक सीमित न रखे अपितु जन समुदाय तक इसकी चर्चा करें ताकि सभी को एचआईवी के प्रति जागरूक हो।प्राचार्य शेलेंद वर्मा द्वारा आभार व्यक्त किया गया। इसी अवसर पर हेल्थ कैंप का भी आयोजन किया गया विश्व एड्स दिवस पर थीम *समुदाय को नेतृत्व करने दे* पर रोल प्ले आयोजित की गई द्य रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्रोजेक्टर के माध्यम से शॉर्ट फिल्म दिखाई गई ओर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया । पोस्टर और पंपलेट बाटे गए। कार्यक्रम का क्रियान्वयन दीपक चौरिया रिया द्वारा बहुत अच्छी तरीके से किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पदमा ठाकरे सरोज भौंडे नीतू संडे एवं जितेंद्र नायकवर का महत्वपूर्ण सहयोग रहा

सेंकड़ों साधकों ने किया ध्यान आंतरिक सत्संग रामाश्रम सत्संग मथुरा का आध्यात्मिक सत्संग समारोह का आज दूसरा दिन

छिंदवाड़ा। रामाश्रम सत्संग मथुरा के उपकेंद्र छिंदवाड़ा द्वारा आध्यात्मिक आंतरिक सत्संग समारोह के दूसरे दिन में समर्थ गुरु परमसंत डॉ. चतुर्भुज सहायजी महाराज जी के द्वारा बताई आंतरिक सत्संग क्रिया एव ध्यान कर सेकड़ो साधको ने आध्यत्मिक लाभ लिया। रामाश्रम सत्संग मथुरा से सम्बद्ध अनुभवी पूज्यआचार्य गणों ने बताया कि *समर्थ गुरु परमसंत डॉ. चतुर्भुज सहायजी महाराज मानव जीवन के इस सर्वोच्च लक्ष्य आत्मज्ञान की प्राप्ति हेतु सरल एवं शीघ्र फलदायक साधना शैली अपने अनुभवों के आधार पर प्रतिपादित की है। इस सरल साधना के माध्यम से ईश्वर से साक्षत्कार और आत्म उन्नति के मार्ग को प्रशस्त किया जा सकता है।

भाजपा कार्यकर्ता स्थल न छोड़े

छिंदवाड़ा। भाजपा कार्यालय में भाजपा की ओर से नियुक्त काउंटिंग एजेंटों की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा वोटों की गिनती के समय आने वाली समस्याओं और गिनती के समय ध्यान रखी जाने वाली बातों की विस्तार से जानकारी दी। भाजपा नेताओं ने सभी काउंटिंग एजेंटों को उन सामग्री के बारे में भी बताएं जो मतगणना के समय साथ में ले जा सकते हैं और उन चीजों के बारे में भी बताइए जिन चीजों का मतगणना स्थल पर ले जाना प्रतिबंधित है। छिंदवाड़ा से भाजपा के प्रत्याशी विवेक बंटी साहू ने सभी अभिकर्ताओं से कहा कि मतगणना के समय विपक्षी हमें कितना भी उकसाने की कोशिश करें हमें जोश में ना आते हुए मतगणना पर पूरा ध्यान केंद्रित रखना है। श्री साहू ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने चुनाव में बहुत मेहनत की है और हम जनता के आशीर्वाद एवं कार्यकर्ताओं की मेहनत से अवश्य विजय श्री को प्राप्त करेंगे।

कपड़ा बैंक टीम द्वारा गर्म कपड़े पाकर जरूरतमन्दों एवं बच्चों के चेहरे खिल उठे

छिन्दवाड़ा- कपड़ा बैंक सेवा सहयोग संगठन जिला में गरीब जरुरतमंदो की निःस्वार्थ मदद अपने सेवा भाव के लिए छिन्दवाड़ा ही नहीं अपितु अन्य जिलों में भी लोगो के मन में अपना एक विशेष स्थान बनाया है द्य कपड़ा बैंक पुर्णतः वालंटियर्स सहयोगी संस्था है जिसमे जन सामान्य अपना समय एवं सहयोग सेवा कार्यों के लिए निःस्वार्थ देते है द्य संस्थापक एवं अध्यक्ष हेमलता महेश भावरकर के अनुसार जरूरतमंद लोगो को कपड़ा के लिए मदद करना एवं उनके बुनियादी जीवनोपयोगी आवश्यकताओं की पूर्ति के सहयोग करने के लिए एक पहल के रूप में शुरुआत की गई थी द्य आज इस पहल को लोगो का सहयोग एवं समर्थन मिलते गया एवं यह एक छोटी सी पहल आज एक विशाल जनचेतना के रूप में विस्तार कर चुकी है और लोगो के लिए सहयोग की एक मिशाल बन चुका है द्य इसी कड़ी में गत दिवस कपड़ा बैंक शाखा चौरई के सह-कोषाध्यक्ष नीति हेमंत सोनी की शादी की सालगिरह के अवसर पर ग्राम लवानगुड़ी चौरई में कपड़ा बैंक सेवा सहयोग संगठन की टीम द्वारा गरीब एवं जरुरतमंदों को कपड़े, साड़ियां, बच्चों के कपड़े, ऊनि जर्सी, ठंड के कपड़े, जूते चप्पल, खिलौने नाश्ता वितरण कर सालगिरह मनाया गया । कपड़ा बैंक (स्स्) की राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमलता महेश भावरकर के मार्गदर्शन में ब्लॉक अध्यक्ष कमलेश कौलारे, उपाध्यक्ष दीपू शर्मा, सूरज राजपूत, राकेश वर्मा, मदन डेहरिया, राजेश नेमा, अध्यक्ष महिला विंग स्वाति श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष दीपा राय, सचिव कमलेश धेनु सेवक, संगठन प्रभारी सोनम शर्मा, सह-सचिव राजुल जैन, प्रबंधन अधिकारी सोनम नेमा, संरक्षक ममता सोनी, शुभचिंतक प्रीति राय, रीना मालवीय, सीमा दहिया, वंदना डेहरिया, खुमान साहू, पीयूष चौरसिया, रुद्र प्रताप मालवी, परी मालवी, पार्थ डेहरिया, गरिमा डेहरिया शामिल थे । मीडिया प्रभारी श्याम कोलारे ने जानकारी कपड़ा बैंक के सेवा कार्यों से प्रभावित होकर बहुत से लोग अपने यादगार दिन को सेवा दिवस के रूप में मनाने के लिए सामने आये है एवं कपड़ा बैंक के सेवा बने स्वाभाव अभियान से जुड़कर लोगो की मदद कर रहे है द्य कपड़ा बैंक की टीम द्वारा इस सेवा कार्य से दी जरूरतमन्दों के चेहरे खुशियों से खिल उठे।

खुशी की लहर

सीएम हाउस में बधाई देने वालों का लगा तांता

भोपाल। रुझानों में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिलता दिख रहा है, जिससे भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। सीएम हाउस में बड़ी संख्या में शिवराज सिंह चौहान को बधाई देने के लिए भाजपा नेता और कार्यकर्ता पहुंच रहे हैं। केंद्रीय मंत्री सिंधिया और अश्वनी वैष्णव ने भी सीएम पहुंचकर शिवराज सिंह को बधाई दी है। लाडली बहनों ने भी सीएम हाउस पहुंचकर शिवराज सिंह को बधाई दी।

कुलस्ते हारे– बड़ी खबर ये है कि केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते चुनाव हार गए हैं। वे निवास विधानसभा से मैदान में थे। उन्हें कांग्रेस के चैन सिंह वरकडे ने परास्त किया है।

जश्न में भाजपा

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय भोपाल